उद्धव ठाकरे की बुलाई बैठक.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समय के साथ सिनेमा में... 11

वर्ष - 02, अंक - 72 | गाजियाबाद / सोमवार 15 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

‘सूरज’ की ताकत से दिल्ली में दौड़ रही है मेट्रो

अच्छी खबर

करोड़ों की बचत के साथ पर्यावरण को भी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आप जानते है कि जब आप दिल्ली मेट्रो में सफर कर रहे होते हैं, तो उस ट्रेन को चलाने और स्टेशन को रोशन करने वाली लगभग एक-तिहाई बिजली सीधे सूरज की रोशनी से आ रही होती है। डीएमआरसी सोलर पावर का इस्तेमाल सिर्फ लाइट, पंखे, एसी आदि चलाने के लिए ही नहीं, बल्कि बड़े स्पेशल ऑपरेशन में भी कर रही है। इससे पैसों की बचत होने के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिल रही है।

प्रदूषण से जूझती दिल्ली को साफ हवा देने वाली मेट्रो सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से पर्यावरण के साथ-साथ पैसों की बचत करने में भी मददगार बन रही है। फेज-4 के तहत बनने वाले सभी 59 एलिवेटेड स्टेशनों की छतों को ‘पॉवर प्लांट’ में बदलने जा रहा है। ये स्टेशन खुद अपनी बिजली जेनरेट करेंगे। डीएमआरसी ने फेज-4 के पूरा होने तक अपनी सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता को 60 मेगावॉट से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा है। अभी मेट्रो नेटवर्क में कुल 132 जगहों पर सोलर एनर्जी प्लांट के जरिए 53 मेगावॉट बिजली का उत्पादन हो रहा है, जिसमें अलग-अलग फेज के कुल 107 मेट्रो स्टेशन और डिपो परिसर शामिल है। इतना ही नहीं, मेट्रो ट्रेनों के संचालन में इस्तेमाल हो रही कुल बिजली में से भी करीब 32 फीसदी बिजली सौर उर्जा से बनाई गई है। वर्तमान में दिल्ली मेट्रो ऑपरेशन में करीब 1235 मिलियन यूनिट बिजली खर्च होती है, उसमें से 398 मिलियन यूनिट का उपयोग हो रहा है।

मेट्रो संचालन की 60 फीसदी तक बिजली सौर ऊर्जा पर निर्भर

मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक, दिन के समय मेट्रो ऑपरेशन में 60 फीसदी तक सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, रात में इसका इस्तेमाल कम होता है। डीएमआरसी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में मेट्रो के अलग-अलग परिसरों (मेट्रो डिपो, स्टेशन व ऑफिस आदि) जगहों से कुल 39 मिलियन यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया गया है, जबकि मेट्रो परिचालन के लिए मध्य प्रदेश के रीवा स्थित सौर ऊर्जा प्लांट से कुल 359 मिलियन यूनिट सौर ऊर्जा खरीदी जाती है।

रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाने का प्लान

अधिकारियों ने बताया कि फेज-4 के 6 कॉरिडोर वाले 112 किलोमीटर लंबे नेटवर्क के एलिवेटेड स्टेशनों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाने के बाद 6-7 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चांद पर अब 200 दिनों तक काम कर सकेंगे लैंडर

- परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ एडवांस्ड हीटर बनाने की तैयारी में इसरो

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत ने अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 के साथ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास ऐतिहासिक ‘साफ्ट लैंडिंग’ की थी, लेकिन विक्रम लैंडर केवल एक चंद्र-दिवस यानी पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर ही काम कर सका था। भारत अब ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है जिससे भविष्य के लूनर लैंडर चांद पर 14 दिनों के बजाय 200 दिनों

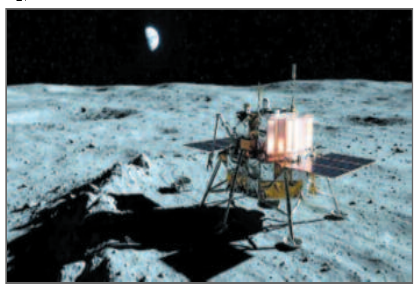

तक काम कर सकेंगे। चंद्रमा पर दिन और रात पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर होती है। चांद की लंबी और बेहद ठंडी रात में लैंडर को बचना बड़ी चुनौती रही है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ मिलकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एडवांस्ड आर्टिफिशियल हीटर बनाने का प्रयास कर रहा है। जिसकी मदद से भविष्य के लूनर लैंडर्स को चंद्रमा पर रात के समय -200 डिग्री सेल्सियस के बेहद कम तापमान में भी 100 से 200 दिनों तक चालू रखा जा सकेगा।

100 फीसदी इथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां, सरकार ने दी मंजूरी

- गडकरी बोले-6 हफ्ते में कंपनियां इसके लिए गाड़ियां लॉन्च करेंगी

नागपुर (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी शुद्ध इथेनॉल को बतौर ईंधन इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, 13 जून को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस फैसले से जुड़े नियमों और रेगुलेशंस को अंतिम रूप देने

वाली फाइल पर उन्होंने साइन कर दिए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल (फॉसिल फ्यूल) के इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले प्रदूषण को रोकना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस बदलाव को स्वीकार कर लिया है और कई बड़ी कंपनियां 100 फीसदी इथेनॉल से चलने वाले वाहन बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

ओमान तट के पास एक और हादसा

- 14 भारतीयों को ले जा रही नाव डूबी, अमेरिकी जहाज ने किया रेस्क्यू

मस्कट (एजेंसी)। ओमान के पास रविवार को एक बड़े समुद्री बचाव अभियान में 14 भारतीयों को बचाया गया है। 14 भारतीय क्रू वाली एक नाव विराट-1 ओमान में रास अल हद्द से करीब 80 नॉटिकल मील दूर डूब गई। हादसे के बाद अमेरिकी नौसेना के समुद्री गश्ती विमान मदद के लिए आगे आया। विमान ने नाव के पास लाइफ राफ्ट गिराया

और हवा से निगरानी बनाए रखी। क्रू सदस्य डूबती नाव से लाइफ राफ्ट के जरिए सफलता के साथ बाहर निकल गए। नाव डूबने के बाद सभी 14 नाविक सुरक्षित रूप से राफ्ट पर चढ़ गए। अमेरिकी नौसेना से मिली जानकारी के अनुसार, समुद्र में इमरजेंसी की स्थिति पैदा होने के बाद नाव पर सवार सभी 14 भारतीय क्रू सदस्यों ने सफलतापूर्वक जहाज छोड़ा और लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए। मदद के लिए अलर्ट मिलने के बाद भारतीय नौसेना के जहाजों को मदद के लिए भेजा गया है।

सेना के ‘ड्रेस कोड’ में बड़ा बदलाव

- आर्मी ने अपनाई बंदी जैकेट, छोड़ी ब्रिटिश परंपरा
- टैटू-मूंछों और हेयरकट को लेकर भी नियम सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने औपनिवेशिक दौर की परंपराओं को खत्म करने के लिए अपनी ड्रेस से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। इसके तहत औपचारिक मौकों पर बंद-गले वाली ‘बंदी’ जैकेट पहनने की मंजूरी दी गई है, सेरेमोनियल पाउच बेल्ट को हटाया गया है और परेड के दौरान रिव्यूइंग अधिकारियों के लिए तलवार साथ रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। इन बदलावों की जानकारी हाल ही में जारी 174 पेज के मैनुअल ‘आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026’ में दी गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

महिलाओं की ड्रेस में भी बदलाव

नियमों के तहत महिला अधिकारी सादे रंगों की साड़ियां या दुपट्टे के साथ कुर्ता-सलवार और टखने तक की लंबाई वाली सीधी पैंट पहन सकती हैं। इनमें बिना आस्तीन वाले कुर्ते और पलाजो या सिगरेट पैंट जैसे कैजुअल लोअर पहनने पर साफ तौर पर रोक लगाई गई है। मेस ड्रेस नंबर 5 और नंबर 6 से पाउच बेल्ट हटा दी गई है। आसानी और पहचान के लिए सेना में हर यूनिफॉर्म को एक खास ड्रेस नंबर दिया जाता है। कर्नल रैंक के अधिकारियों के लिए अलग है।

यूनिफॉर्म के अलावा नियमों में भी सख्ती

यूनिफॉर्म के अलावा नियमों में कर्मचारियों के लुक और ग्रूमिंग से जुड़े कई तरह के स्टैंडर्ड शामिल हैं। जैसे कि टैटू और बॉडी पियर्सिंग से लेकर हेयरकट, मूंछें और कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल। पहली बार, नियमों में अधिकारियों को फॉर्मल ड्रेस कोड के तौर पर बंदी जैकेट पहनने की इजाजत दी गई है। यह बंदगला, लाउंज सूट, कॉम्बिनेशन ड्रेस या टाई और फॉर्मल ट्राउजर के साथ फुल-स्लीव शर्ट के अलावा है। मैनुअल में कहा गया है, पूरी आस्तीन वाली शर्ट के ऊपर बंद गले का कोट (बंदी जैकेट) पहना जा सकता है। बंदी जैकेट गले पर हुक वाली या बिना हुक वाली हो सकती है (दोनों तरह के डिजाइन मान्य हैं) और इसका रंग सॉलिड और सोबर होना चाहिए।

- देहरादून में बजरंग दल के नेता की हत्या के बाद बवाल

तनाव के बीच पुलिस छावनी बन गया बैरागीवाला गांव

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित विकासनगर में खेत में पानी लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी जंग में तब्दील हो गया। कुछ युवकों ने गांव में इकट्ठा होकर विनोद नाम के युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विनोद की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हैं। विनोद बजरंग दल के नेता थे। लहूलुहान हालत में घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला दो संप्रदाय का होने के कारण पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। पूरा मामला सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव का है। घटना के बाद लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

हाईवे पर उतर आए सैकड़ों लोग

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दूसरे पक्ष पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें विनोद कुमार नाम के युवक को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश देखा गया। मुख्य हाईवे पर भी सैकड़ों लोगों ने इकट्ठा होकर अपना विरोध दर्ज कराया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ रात में ही मौके पर मुस्तैद हो गए। प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने के साथ ही गांव और आस-पास के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा घेरा कड़ा कर दिया गया है।

ममता के बाद अब उद्धव की पार्टी में छाया संकट

- बैठक में नहीं पहुंचे कई सांसद, फोन भी बंद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बड़े उलटफेर के संकेत मिल रहे हैं। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट की धड़कनें बढ़ाने वाली एक बड़ी खबर सामने आई है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आज यानी रविवार को मुंबई स्थित अपने घर मातोश्री पर पार्टी के सभी सांसदों की एक बेहद महत्वपूर्ण और

आपातकालीन बैठक बुलाई थी। लेकिन इस संवेदनशील बैठक के शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही शिरडी लोकसभा सीट से सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे पहुंच से बाहर हो गए। वहीं, दो और सांसद इसमें शामिल होने के लिए नहीं पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में मौजूद अपने सभी सांसदों को तुरंत मुंबई पहुंचने के निर्देश दिए थे। यह बैठक दोपहर साढ़े बारह बजे ‘मातोश्री’ पर आयोजित की गई है। आगामी राजनीतिक परिस्थितियों और संसद के आगामी सत्र को लेकर रणनीति बनाने के लिए यह बैठक बुलाई गई है। सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे का मोबाइल फोन सुबह से ही लगातार बंद आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक,वाकचौरे पिछले दो दिनों से गायब हैं।

बंगाल में ढह रहा टीएमसी का ‘सिंडिकेट राज’

- सहमे बाहुबली, घरों पर गरज रहे हैं बुलडोजर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में केवल शीर्ष स्तर पर ही उथल-पुथल नहीं मची है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी तृणमूल कांग्रेस का दशकों पुराना किला ढहता नजर आ रहा है। दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर रेलवे स्टेशन के पास कभी टीएमसी के नीले-सफेद रंग में रंगा ऑटो रिक्शा यूनियन का दफ्तर अब पूरी तरह बदल चुका है।

वहां अब भारतीय मजदूर संघ का भगवा बैनर लहरा रहा है। यह बदलाव केवल झंडे का नहीं, बल्कि बंगाल की जमीनी राजनीति पर हावी टीएमसी के सिंडिकेट राज के अंत की शुरुआत है। सोनारपुर के ऑटो चालक अब राहत की सांस ले रहे हैं।

एक अंग्रेजी अखबार के साथ बातचीत में उनका कहना है कि अब उन्हें स्थानीय टीएमसी नेताओं को 120 रुपये प्रति वाहन की जबरन मासिक वसूली (कट मनी) नहीं देनी पड़ रही है।

अवैध ऊंची इमारतों पर चला बुलडोजर

कोलकाता का बेलीघाटा इलाका कभी टीएमसी का मजबूत गढ़ हुआ करता था, लेकिन अब वहां सन्नाटा पसरा है और टीएमसी के सभी दफ्तर बंद हैं। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद कोलकाता नगर निगम ने इस इलाके में धड़ल्ले से बने अवैध प्रमोटिंग और ऊंची इमारतों पर हथौड़ा चलाना शुरू कर दिया है। इस सिंडिकेट का सबसे बड़ा सरगना और टीएमसी का बाहुबली ठेकेदार राजू नस्कर अब सलाखों के पीछे है। एक पूर्व टैक्सी ड्राइवर से करोड़ों की संपत्ति का मालिक बने राजू नस्कर के खिलाफ अब स्थानीय लोग खुलकर जमीन हड़पने की शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार में लिप्त बाहुबली बचेगा नहीं।

बाढ़ आश्रय गृह से चल रहा था ‘रेत माफिया’ का खेल

कोलकाता से करीब 100 किलोमीटर दूर पूर्व बर्धमान के जमालपुर ब्लॉक से जो तस्वीरें सामने आई हैं वे हैरान करने वाली हैं। यहां ब्लॉक आईएनटीटीयूसी अध्यक्ष तबरक अली मंडल और उनकी पंचायत प्रधान पत्नी आरिफा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों सरकारी कम्युनिटी सेंटर और बाढ़ आश्रय गृह पर कब्जा कर वहां से दामोदर नदी में अवैध रेत खनन का सिंडिकेट चला रहे थे। पुलिस ने इन सरकारी भवनों से ग्रामीणों को मिलने वाला खाद, बीज, कीटनाशक और मनरेगा के जॉब कार्ड जब्त किए हैं, जिन्हें ब्लैक मार्केट में बेचा जा रहा था। स्थानीय ग्रामीण शेख मुर्तजा ने बताया, यहां से हर दिन अवैध रेत ले जाते थे।

बैन लगाते रहे अमरीका-यूरोप, रूस ने कर दिया ‘खेला’

- भारत की मदद से पुतिन के देश ने खेल दिया मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी कच्चे तेल पर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) ने कड़े बैन लगाए हैं। वहीं इन कड़े प्रतिबंधों और एम्बार्गो (आयात प्रतिबंध) के बावजूद एक बड़ा लूपहोल सामने आया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की ताजा रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है कि प्रतिबंध लगाने वाले देशों को सीधे तेल न बेच पाने के बाद भी, रूसी तेल अन्य देशों की रिफाइनरियों के जरिए प्रोसेस होकर घूम-फिरकर वापस उन्हीं देशों के बाजारों में पहुंच रहा है। मई 2026 में भारत, तुर्की, ब्रूनेई और जॉर्जिया जैसे देशों ने रूसी कच्चे तेल को रिफाइन कर बड़े पैमाने पर उन देशों को

पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए हैं, जिन्होंने खुद रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हुए हैं।

रिलायंस की रिफाइनरी का भी रोल

इस रिपोर्ट में सीधे तौर पर उन रिफाइनरियों का जिक्र किया गया है, जहां से रिफाइंड तेल उत्पाद वापस अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे देशों में भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका को किए गए अधिकांश निर्यात का मूल स्रोत भारत में रिलायंस इंडस्ट्रीज की गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी, तुर्की की स्टार रिफाइनरी और तुप्रास इजमित रिफाइनरी रही है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन महीनों के दौरान तुर्की की स्टार रिफाइनरी के कुल क्रूड ऑयल फीडस्टॉक (कच्चे माल) का 39 प्रतिशत हिस्सा रूस से आया था। वहीं, भारत की विशालकाय ‘जामनगर रिफाइनरी’ के कुल फीडस्टॉक का 15 प्रतिशत हिस्सा रूसी क्रूड ऑयल पर आधारित था।

7052 करोड़ की बिक्री

रिपोर्ट के अनुसार भारत सहित चार देशों की रिफाइनरियों ने मई 2026 में कुल 641 मिलियन यूरो (करीब 7052 करोड़ रुपये) के तेल उत्पादों का निर्यात सीधे तौर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को किया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस कुल रकम में से अनुमानित 214 मिलियन यूरो के प्रोडक्ट सीधे तौर पर रूसी कच्चे तेल को रिफाइन करके ही तैयार किए गए थे।

आम लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं राहुल गांधी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता को जमकर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। वित्त मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश में भारत और उसके लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं। सीतारमण ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कोविड-19 वैश्विक महामारी और पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसे बड़े संकटों के दौरान भी भारत की उपलब्धियों को नजरअंदाज करते हैं। देश के सामने ऐसा कोई संकट नहीं है, जैसा राहुल गांधी पेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बीजेपी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बेंगलुरू में ‘विकसित भारत संकल्प समावेश’ का आयोजन किया गया है। इसमें पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जब भी बोलते हैं, तो हर चीज की केवल आलोचना करते हैं और भारत के लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं।

कन्नूर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी निकली अफवाह

कन्नूर(एजेंसी)। केरल के कन्नू इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस अलर्ट मोड पर आ गईं। हालांकि, हवाई अड्डे और संबंधित विमानों की व्यापक जांच के बाद यह धमकी पूरी तरह झूठी साबित हुई। मामले में मट्टनूर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर एयरपोर्ट प्रशासन और दो विमानन कंपनियों की कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल में दावा किया गया था कि हवाई अड्डे पर विस्फोटक लगाए गए हैं और जल्द ही बम विस्फोट किया जाएगा। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियों, बम निरोधक दस्ते और पुलिस ने तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया। पूरे हवाई अड्डे परिसर, टर्मिनल भवनों और संबंधित विमानों की गहन तलाशी ली गई। कई घंटों तक चली जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने धमकी को फर्जी घोषित कर दिया। एयरपोर्ट के सहायक प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केरला पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरा ईमेल एक जीमेल अकाउंट से भेजा गया था। ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने के लिए साइबर जांच शुरू कर दी गई है।

कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत अनिवार्य, तीसरी भाषा का विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई शिक्षा व्यवस्था के तहत कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में चुनने का विकल्प भी दिया जाएगा। शिक्षा विभाग का कहना है, इस निर्णय का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और भाषाई विरासत से छात्रों को जोड़ना है। संस्कृत के अध्ययन से भाषा कौशल, व्याकरण की समझ और प्राचीन साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी। इस निर्णय का विभिन्न शिक्षाविदों ने स्वागत किया है. जबकि कुछ विशेषज्ञों ने विद्यालयों में पर्याप्त संस्कृत शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया है। देश के विद्यालयों में संस्कृत के शिक्षकों की भारी कमी है.ऐसी स्थिति में संस्कृत की पढ़ाई कैसे हो सकेगी

वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर बवाल केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या 50 फ़ीसदी से ज्यादा घटी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर में इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में यात्रियों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक कम रही है। पर्यटन और तीर्थाटन से जुड़े कारोबारियों का कहना है, कम संख्या का असर स्थानीय अर्थ व्यवस्था पर पड़ रहा है। मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर भी विवाद समय-समय पर देखने को मिला है। कई श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया है, सामान्य दर्शनार्थियों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है. जबकि वीआईपी आगंतुकों को विशेष सुविधा दी जाती है। इस व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर भी बहस तेज हो गई है। मंदिर प्रशासन और राज्य सरकार का कहना है, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं. तीर्थयात्रियों की घटती संख्या और वीआईपी दर्शन को लेकर उठ रहे सवालों ने केदारनाथ यात्रा प्रबंधन पर नई चर्चा शुरू कर दी है।

अमरनाथ यात्रा के लिए बस किराया 18 फीसदी बढ़ा, प्रदेश परिवहन निगम चलाएगा 200 बसें

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में 3 जुलाई से शुरू हो रही श्री अमरनाथ यात्रा के लिए भक्तों को इस बार जेकेआरटीसी की बस सेवा के लिए 18 प्रतिशत अधिक किराया चुकाना होगा। केंद्र शासित प्रदेश परिवहन निगम (जेकेआरटीसी) ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु लगभग 200 बसें चलाने की घोषणा की है। ये बसें जम्मू, भगवती नगर, पहलगाम और बालटाल जैसे प्रमुख रूटों पर संचालित होंगी, जिनका मुख्य लक्ष्य शिवभक्तों को सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करना है। जेकेआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक बसों की व्यवस्था की जा रही है, जिनमें बेहतर बैठने की सुविधा और पुख्ता सुरक्षा इंतजाम शामिल हैं। हालांकि कारपोरेशन के एक अ?धिकारी ने इस बार बस किराए में हुई 18 फीसदी बढ़ोतरी की पुष्टि की है, जिससे यह धार्मिक यात्रा श्रद्धालुओं के लिए थोड़ी महंगी साबित होगी। प्रशासन द्वारा भी यात्रा मार्गों पर सुरक्षा और अन्य आवश्यक यात्री सुविधाओं को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

एलपीजी धमाकों से दहला रेस्टोरेंट, डीएफएस ने बुजुर्ग महिला की जान बचाई

- दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा, तीन व्यावसायिक सिलेंडर फटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के कालकाजी इलाके में रविवार सुबह पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि तीन बड़े व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर धमाके के साथ फट गए, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। हालांकि, दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) की तत्परता से न केवल आग पर काबू पाया गया, बल्कि एक बहुमंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर फंसी एक बुजुर्ग महिला को भी मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डीएफएस के अनुसार र?विवार सुबह करीब 4-45 बजे कालकाजी-गोविंद पुरी फ्लाईओवर के पास स्थित पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट में आग की सूचना मिली। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह इकाइयों को भेजा, जिसे बाद में बढ़ाकर कुल नौ कर दिया गया। असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर यशवंत और सरबजीत के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने करीब 5-40 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया और सुबह 5-45 बजे स्टॉप मैसेज जारी किया। बेसमेंट से लेकर तीसरी मंजिल तक फैली इस आग ने इमारत को खासा नुकसान पहुंचाया। ऑपरेशन के दौरान तीन व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर फटने से आग और विकराल हो गई थी, जिससे चुनौतियां बढ़ गईं। आग पर काबू पाने के बाद दोबारा भड़कने से रोकने के लिए घंटों कूलिंग ऑपरेशन चलाया गया। फिलहाल, आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस व दमकल विभाग शॉर्ट सर्किट या गैस लीकेज के एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं।

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए

-दत्तात्रेय होसबाले के पाकिस्तान से संवाद बयान पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली(एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि होसबाले की टिप्पणी पाकिस्तान सरकार नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संदर्भ में थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में संघ केंद्र सरकार की विदेश नीति का ही अनुसरण करता है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि वहां कुछ पत्रकार और बुद्धिजीवी भी हैं जो आरएसएस के कार्यों की सराहना करते हैं तथा दो-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध करते हैं। भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो मानते हैं कि दोनों देशों का साथ रहना अधिक बेहतर होता। ऐसे लोगों के साथ संवाद और संपर्क के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए जाने चाहिए।

युद्ध के बाद भी समाधान के लिए संवाद जरूरी

संघ प्रमुख ने कहा कि यदि भविष्य में किसी युद्ध की स्थिति में भारत पाकिस्तान पर निर्णायक बढ़त हासिल करता है, तब भी वहां के लोगों के भविष्य को लेकर कोई न कोई समाधान तलाशना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में या तो उन्हें भारत के साथ जोड़ना होगा अथवा उन्हें शांतिपूर्ण जीवन जीने योग्य परिस्थितियां उपलब्ध करानी होंगी। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव नहीं है। इसलिए बातचीत और समाधान का कोई रास्ता खुला रहना चाहिए। अन्याय और अत्याचार का अंत होना चाहिए, लेकिन जो सकारात्मक है, उसे भी संरक्षित रखना आवश्यक है।'

होसबाले के बयान पर हुआ था विवाद

दरअसल, हाल ही में दत्तात्रेय होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के सभी विकल्प पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस छिड़ गई थी। अब मोहन भागवत ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि होसबाले के बयान को गलत संदर्भ में देखा गया। उनके अनुसार, टिप्पणी का आशय पाकिस्तान की जनता और वहां मौजूद सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से था, न कि पाकिस्तान की राज्य व्यवस्था या सरकार से।

आरएसएस की अलग विदेश नीति नहीं

भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस की किसी भी देश के संबंध में स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति तय करना सरकार का अधिकार और दायित्व है तथा संघ पड़ोसी देशों के मामलों में केंद्र सरकार के दृष्टिकोण का सम्मान करता है और उसी का पालन करता है।

अभिषेक मेरे बेटे जैसा, पिता का काम होता है गलतियों को माफ करना : कल्याण बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि अभिषेक बनर्जी मेरे बेटे जैसा है और बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम होता है। इससे पहले उन्होंने 11 जून को कहा था कि ममता बनर्जी को मुझे या अभिषेक में से किसी एक को चुनना होगा। बता दें गुरुवार को अभिषेक ने फर्जी साइन मामले में अपना वकील बदल लिया था। पहले कल्याण इस मामले में अभिषेक के वकील थे। इसके बाद कल्याण ने कहा था कि अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वे बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कल्याण बनर्जी मुझसे बड़े हैं। उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने मुझे बचपन से देखा है, इसलिए मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं बोलूंगा। कल्याण ने टीएमसी में हो रही टूट पर कहा कि बागियों बीजेपी की शरण में ही जाना होगा। उन्होंने कहा कि यह सब एक चाल है। ये लोग अपने क्षेत्रों के विकास का बहाना बनाते हैं, लेकिन जो लोग अपने क्षेत्र में जा तक नहीं सकते, वे क्या काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। सीएम शुभ्रेंदु अधिकारी से बातचीत के बाद भी पिछले एक महीने में क्या विकास हुआ है? बीजेपी और पुलिस हमें परेशान कर रही है। पश्चिम बंगाल में किसी भी विपक्ष ने कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया है, जैसी हम कर रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने टीएमसी और कांग्रेस के आपस में विलय की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि हम कांग्रेस के साथ कोई विलय नहीं कर रहे हैं।

एआईएडीएमके को झटका, अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने पार्टी से दिया इस्तीफा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्र कजगम को एक और राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी की डिप्टी प्रोपेगैंडा सेक्रेटरी और अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

गौतमी ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पडी के पलानिस्वामी को भेजे अपने इस्तीफा पत्र में कहा कि वह 14 जून से पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त हो रही हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि वह समाज सेवा के क्षेत्र में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देना चाहती हैं और इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया है।

2024 में एआईएडीएमके में हुई थीं शामिल

गौरतलब है कि गौतमी तडिमल्ला ने अक्टूबर 2023 में भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 14 फरवरी 2024 को एआईएडीएमके का दामन थामा था। पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राजापालयम सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी और टिकट की मांग भी की थी। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टिकट नहीं मिलने से उनकी नाराजगी बढ़ी और यह भी उनके इस्तीफे के पीछे एक प्रमुख कारण हो सकता है।

एआईएडीएमके के लिए बढ़ती चुनौती

गौतमी का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एआईएडीएमके के कई नेता और पदाधिकारी अन्य राजनीतिक दलों, विशेषकर सत्तारूढ़ दलों की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे में एक लोकप्रिय अभिनेत्री और प्रमुख महिला नेता का पार्टी छोड़ना संगठन के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हसदेव अरण्य कोयला खनन को सैद्धांतिक पर्यावरण मंजूरी, विशेषज्ञ बोले, अंडरग्राउंड माइनिंग से बच सकते हैं जंगल

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में प्रस्तावित केंते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक को केंद्र सरकार द्वारा सैद्धांतिक वन एवं पर्यावरण मंजूरी दिए जाने के बाद विकास और पर्यावरण संरक्षण को लेकर बहस तेज हो गई है। सरकार और खनन समर्थक इसे ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बता रहे हैं, जबकि पर्यावरण विशेषज्ञों, वन्यजीव संरक्षण संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं ने इस निर्णय पर चिंता जताते हुए ओपन कास्ट खनन के बजाय अंडरग्राउंड माइनिंग को बेहतर विकल्प बताया है।

हसदेव-अरण्य छत्तीसगढ़ के सरगुजा, सूरजपुर और कोरबा जिलों में फैला देश के सबसे समृद्ध वन क्षेत्रों में से एक है। लगभग 1.7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह जंगल घनी जैव विविधता, वन्यजीवों और हाथियों के महत्वपूर्ण आवास के लिए जाना जाता है। इसे मध्य भारत का सबसे बड़ा सतत वन क्षेत्र भी माना जाता है। हजारों आदिवासी परिवारों की आजीविका भी इसी जंगल पर निर्भर है, जिसके चलते यहां प्रस्तावित खनन परियोजनाएं लंबे समय से विवाद और विरोध का विषय रही हैं।

केंद्र सरकार ने राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) को आवंटित केंते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक के लिए सैद्धांतिक वन स्वीकृति प्रदान की है। इस खदान से निकाले जाने वाले कोयले की आपूर्ति राजस्थान के ताप विद्युत संयंत्रों को की जाएगी। परियोजना के लिए बड़ी मात्रा में वन भूमि के उपयोग की अनुमति दी गई है। दस्तावेजों के अनुसार हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित होगा और बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई की आशंका है, जिसे लेकर पर्यावरणविदों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है।

भारतीय वन सेवा के पूर्व अधिकारी तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में महानिदेशक रह चुके डॉ. वी.के. बहुगुणा ने हसदेव अरण्य में प्रस्तावित खनन को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में भूमिगत खनन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार हसदेव अरण्य में सघन वन और बड़ी संख्या में वन्यजीव मौजूद हैं। ऐसे में ओपन कास्ट खनन से जंगलों, वन्यजीवों और जैव विविधता को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है।

डॉ. बहुगुणा का कहना है कि यदि कोयला निकालना आवश्यक है तो अंडरग्राउंड माइनिंग एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे जंगल की ऊपरी सतह काफी हद तक सुरक्षित रहेगी और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर कम प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में घने वन और समृद्ध जैव विविधता मौजूद है। वन्यजीवों और पर्यावरण की रक्षा के लिए भूमिगत खनन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, न कि खुली खदान पद्धति को।

विशेषज्ञों के अनुसार ओपन कास्ट खनन में बड़े पैमाने पर खुदाई करनी पड़ती है, जिससे पेड़ों की कटाई, मिट्टी का क्षरण और वन्यजीवों के आवास का विनाश होता है। इसके विपरीत अंडरग्राउंड माइनिंग में जमीन के नीचे सुरंग बनाकर कोयला निकाला जाता है, जिससे सतही वन क्षेत्र अपेक्षाकृत सुरक्षित रहता है। इसके अलावा हाथी कॉरिडोर और वन्यजीव आवासों पर प्रभाव कम पड़ता है, स्थानीय समुदायों के विस्थापन की संभावना घटती है तथा पर्यावरणीय क्षति भी सीमित रहती है।

खनन समर्थकों का तर्क है कि देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला अभी भी एक महत्वपूर्ण संसाधन है और राजस्थान के बिजली संयंत्रों के लिए यह कोल ब्लॉक विशेष महत्व रखता है। वहीं पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा आवश्यक है, लेकिन इसके लिए देश के सबसे समृद्ध वन क्षेत्रों को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। उनका मानना है कि आधुनिक तकनीक और वैकल्पिक खनन मॉडल के माध्यम से विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। हसदेव-अरण्य को मिली सैद्धांतिक मंजूरी के बाद इस परियोजना को लेकर राजनीतिक, पर्यावरणीय और सामाजिक बहस और तेज होने की संभावना है। पर्यावरणविदों का मानना है कि अंतिम मंजूरी से पहले सरकार को विशेषज्ञों की राय, वन्यजीवों पर पड़ने वाले प्रभाव तथा स्थानीय समुदायों की चिंताओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि हसदेव अरण्य केवल कोयले का भंडार नहीं, बल्कि देश की एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर है। ऐसे में यदि खनन अपरिहार्य है तो अंडरग्राउंड माइनिंग को अपनाकर जंगलों और जैव विविधता की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

उद्धव ठाकरे की बुलाई बैठक को लेकर चर्चाएं तेज, क्या ऑपरेशन टाइगर का है डर!

-राउत बोले- चर्चाएं गलत, बैठक में मानसून सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों पर होगी चर्चा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज है। ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आनन-फानन में रविवार को पार्टी के सभी सांसदों की इमरजेंसी बैठक बुलाई। यह बैठक मातोश्री में होगी। पार्टी का कहना है कि यह सामान्य समीक्षा बैठक है, लेकिन सियासी गलियारों में इसे लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

सूत्रों के मुताबिक राजनीतिक गलियारों में पिछले कुछ समय से ऑपरेशन टाइगर का जिक्र हो रहा है। माना जा रहा है कि शिवसेना के कुछ नेताओं और सांसदों के शिंदे गुट के नेताओं के संपर्क में होने की खबरों ने इस चर्चा को हवा दी है। हालांकि जिन सांसदों के नाम सामने आए हैं, उन्होंने पार्टी छोड़ने या पाला बदलने की बात से साफ इनकार किया है। मातोश्री में होने वाली यह बैठक ऐसे समय में हो रही है,

जब विपक्षी दलों के भीतर अंदरूनी खींचतान की खबरें सामने आ रही हैं। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल की टीएमसी में कुछ सांसदों की नाराजगी की चर्चा रही। इससे पहले आम आदमी पार्टी में भी सांसदों के पाला बदलने की खबरों ने विपक्षी खेमे की चिंता बढ़ाई थी। ऐसे में उद्धव ठाकरे की यह बैठक संगठन की एकजुटता के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूबीटी के राज्यसभा सांसद और पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने बैठक की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे समय-समय पर सांसदों, विधायकों, पार्षदों और दूसरे पदाधिकारियों के साथ बैठक करते रहते हैं। संसद का मानसून सत्र आने वाला है, इसलिए महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने ऑपरेशन टाइगर जैसी किसी भी चर्चा को गलत बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया है।

शिवसेना प्रवक्ता राजू वाघमारे ने कहा कि ऐसा कोई अभियान नहीं चल रहा है और न ही उनकी पार्टी को किसी को तोड़ने में दिलचस्पी है। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव नहीं हैं और सरकार के पास पूरा बहुमत है। लोकसभा में इस समय यूबीटी के 9 सांसद हैं, जबकि शिंदे गुट के पास 7 सांसद हैं। ऐसे में मातोश्री में होने वाली यह बैठक महाराष्ट्र की सियासत में नई चर्चाओं को जरूर हवा दे रही है।

मिजोरम बन रहा नशे का गढ़, म्यांमार से हो रही सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' की होम डिलीवरी

-पिछले साल 118 तो इस साल 21 लोगों की जा चुकी है जान, हजारों किलो ड्रग्स जब्त

आइजोल (एजेंसी)। मिजोरम की राजधानी आइजोल में रात के अंधेरे और सन्नाटे में युवक हाथों में टॉर्च और डंडे लिए घूम रहे हैं। ये पुलिस नहीं, बल्कि 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) के वॉलेंटियर्स हैं, जो सूबे की रगों में घोले जा रहे म्यांमार के सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' से अगली पीढ़ी को बचाने पहरा दे रहे हैं। मिजोरम इस समय नशा संकट से जूझ रहा है। म्यांमार की 500 किमी लंबी खुली सीमा से आने वाले खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बिखेर दिया है। पिछले साल इस ड्रग्स ने 118 तो इस साल अब तक 21 लोगों की जानें ली हैं। म्यांमार सीमा से सटा चंफाई जिला इसका मुख्य कॉरिडोर है। बीते तीन साल में यहां से करीब

चार हजार किलो ड्रग्स जब्त हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा कारोबार डिजिटली हो रहा है। ड्रग्स सप्लायर वॉट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सीक्रेट ग्रुप्स बनाकर नेटवर्क चला रहे हैं। सिर्फ चैट ग्रुप का स्क्रीन शॉट दिखाकर आसानी से ड्रग्स मिल जाती है। जब वाईएमए के मेंबर से कुछ स्क्रीन शॉट मांगे तो उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें देने से मना कर दिया। मिजोरम एक्साइज एंड नारकोटिक्स विभाग के संयुक्त आयुक्त ने बताया कि स्थानीय नेटवर्क में 'आइस' और 'कैंडी' जैसे कोड वर्ड्स से ड्रग्स बेची जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीनों में ड्रग्स की होम डिलीवरी भी हो रही है। आइजोल स्थित सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि वह इस साल 10 अप्रैल से 28 मई के बीच केवल आइजोल में 239 मरीज मिले हैं। इतने कम समय में इतने मरीज मिलना स्थिति की भयावहता को दिखाता है। इनमें से ज्यादातर लोग पहले शराब और गांजा पीते थे, लेकिन अब ड्रग्स ले रहे हैं। वाईएमए की सेंट्रल कमेटी के महासचिव ने बताया कि सीमा के पार म्यांमार का रिहखावदार इलाका है, जहां दोनों ओर के लोगों के पारिवारिक संबंध हैं। इसी आवाजाही की आड़ में रात के अंधेरे में छोटे पेडलर्स घने जंगलों और पहाड़ी पगडंडियों से ड्रग्स की खेप भारत लाते हैं। यहां से ड्रग्स देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ बांग्लादेश और अरब देशों तक भेजी जा रही है।

परमाणु युद्ध का भयावह परिणाम: ओजोन परत नष्ट, 1 अरब लोग भूखे मर सकते

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीते साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध की आशंका से भयभीत किया था। अब एक नई स्टडी ने चेतावनी दी है कि दोनों परमाणु शक्तियों के बीच एक अपेक्षाकृत छोटा संघर्ष भी वैश्विक तबाही ला सकता है, इससे ओजोन परत को भारी नुकसान होगा और एक अरब से अधिक लोगों को भुखमरी के कारण अपनी जान गंवा सकते है।

एक शोधकर्ता के अनुसार, छोटे पैमाने का परमाणु युद्ध भी दुनिया भर में दूरगामी प्रभाव डालेगा। परमाणु विस्फोटों से उत्पन्न तीव्र गर्मी और रेडिएशन लाखों लोगों को तत्काल मार देगा, लेकिन इससे भी बड़ा खतरा न्यूक्लियर विंटर का है। धमाकों और आग से भारी मात्रा में धुआँ वायुमंडल में फैल जाएगा, जिससे सूरज की रोशनी पृथ्वी तक पहुँचने से रुक जाएगी और वैश्विक तापमान में तेज़ी से गिरावट आएगी। शोधकर्ता ने वियना में यूरोपियन जियोसाइंसेज यूनियन की बैठक में अपनी स्टडी के नतीजे पेश किए थे। साल 2007 की एक पूर्व स्टडी ने अनुमान लगाया था कि इस न्यूक्लियर विंटर के कारण भुखमरी से 1 अरब से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। इसके अलावा, परमाणु विस्फोट ओजोन परत को भी गंभीर नुकसान पहुँचाएँगे। यह नुकसान अमेरिका और रूस के बीच बड़े परमाणु युद्ध के बराबर होगा। इससे हानिकारक अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणें सीधे पृथ्वी तक पहुँचेंगी, जो पौधों और जानवरों दोनों के लिए घातक होंगी। इसका मतलब है कि तापमान सामान्य होने के बाद भी कृषि पैदावार बुरी तरह प्रभावित होगी। शोधकर्ता और उनकी टीम ने पिछली स्टडीज के अनुमानों के आधार पर भारत-पाकिस्तान परमाणु युद्ध का एक विस्तृत मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल से पता चलता है कि उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) इलाकों में हवा के घूमने के विशेष पैटर्न के कारण, भारत-पाकिस्तान परमाणु युद्ध का कचरा वायुमंडल में ज़्यादा ऊँचाई तक जा सकता है और लंबे समय तक टिका रह सकता है। यह कचरा दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी फैलकर वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणाम पैदा करेगा, जो मानवता के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

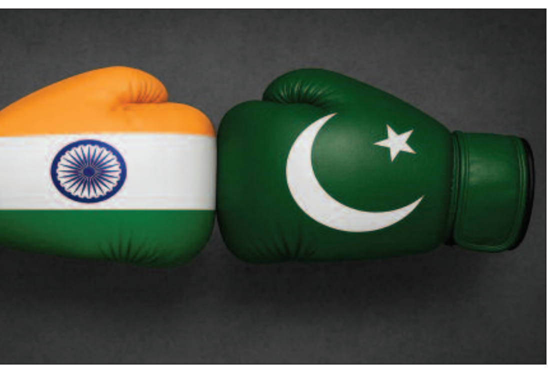

जनगणना 2027 : उत्कृष्ट कार्य करने पर शिक्षिकाओं को नगर निगम अधिकारियों ने दिया प्रशस्ति पत्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के अंदर जनगणना 2027 को लेकर कार्य तेजी से चल रहा है। इस कार्य को प्राथमिकता पर लेकर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है, जिससे उनका हौसला अफजाई करते हुए अन्यों के लिए मिसाल पेश की जा सके। इसी कड़ी में गाजियाबाद में चौधरी मोड़ स्थित होली चाइल्ड स्कूल की दो शिक्षिकाओं सुषमा कौशिक और ज्योति अवस्थी को समय से कार्य पूर्ण करने पर नगर निगम अधिकारियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि गाजियाबाद के अंदर जनगणना का काम समय से पूर्ण हो इसके लिए तेजी के साथ कार्य किया जा रहा है। सभी विभागों से जुड़े कर्मचारी और अधिकारियों को इस कार्य को तेजी से करने के लिए लगाया गया है। वही समय से कार्य पूर्ण करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है, जिससे

अन्य सभी कार्य करने वालों का हौसला बढ़े और वह तेजी के साथ अपने-अपने क्षेत्र के कार्यों को पूर्ण करें। आपको बता दे की डीएम रविंद्र कुमार जनगणना 2027 के कार्यों को लेकर लगातार बैठक कर रहे हैं और उन्होंने सख्त निर्देश दिए हुए हैं कि अगर किसी ने भी इस कार्य में लापरवाही की तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा जो लोग पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रहे है, उनको सम्मानित किया जाए।

जन संवाद कार्यक्रम में पूर्व विधायक उमेश मलिक ने गिनाई केंद्र सरकार की उपलब्धियां

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार को ब्लॉक सभागार में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक उमेश मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उमेश मलिक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग के हित में कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में माफिया राज पर प्रभावी अंकुश लगाया है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में व्यापक कार्य हुए हैं, जो भारत के विकास की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे के निर्माण से बुढ़ाना क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी तथा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा

मिलने के साथ विकास के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। डीसीडीएफ चेयरमैन पवन तरार ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और स्वच्छता अभियान ने महिलाओं को सम्मान और सुविधा प्रदान की है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी सतीश कुमार, सहायक विकास अधिकारी धर्मेंद्र सिंह, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ब्रजपाल सहरावत, भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक, अंकुश राठी, कुलदीप बागड़ी, मुकेश शर्मा, नरेंद्र मलिक सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर शाहपुर में जन कल्याणकारी शिविर आयोजित

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (राष्ट्रीय शिखर)। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा मंडल शाहपुर द्वारा शाहपुर ब्लॉक परिसर में जनसेवा एवं जन कल्याण के संकल्प के साथ विशाल जन कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य केंद्र सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी पात्र लोगों तक पहुंचाना तथा आमजन को उनके अधिकारों और सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण, किसान, महिलाएं और युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सांसद संजीव बालियान रहे। उन्होंने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना तथा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। डॉ. संजीव बालियान ने किसानों से नकली खाद और बीज से बचने तथा मिट्टी परीक्षण के आधार पर वैज्ञानिक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों से

जुड़कर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, जबकि महिलाओं को सुकन्या समृद्धि योजना और उज्ज्वला योजना का लाभ लेने की सलाह दी गई। शिविर में आयुष्मान कार्ड, किसान पंजीकरण, उज्ज्वला कनेक्शन तथा पेंशन योजनाओं के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए गए, जहां पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही पंजीकरण किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन भी किए। भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने योजनाओं की जानकारी देने तथा आवेदन प्रक्रिया में लोगों की सहायता की। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के निदेशक हरेन्द्र शर्मा, जिला पंचायत सदस्य विजय चौधरी, ब्लॉक प्रमुख अरविंद त्यागी, मंडल अध्यक्ष डॉ. मुनीश त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष अरविंद पाल, राजीव बालियान, राजेश गोयल, मंडल महामंत्री नीतू सैनी, अमित पाल, मनोज शर्मा, कविता सैनी, बबीता शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

समाज व राष्ट्र के उत्थान के लिए शिक्षा जरूरी : शुभम कुमार

बिजनौर (शिखर समाचार)। भुइयार एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के 12वें मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में समाज के 251 प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। राजमिलन बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र तथा सामान्य ज्ञान की पुस्तकें प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, सफदरजंग, दिल्ली के चिकित्सक शुभम कुमार ने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अच्छे संस्कार देकर समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

विशिष्ट अतिथि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के पूर्व प्रबंधक दयाराम सिंह भामड़ा ने कहा कि सोसाइटी शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है। संस्था समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ-साथ करियर मार्गदर्शन के माध्यम से उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

सोसाइटी के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार भुइयार ने संस्था की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य समाज में शैक्षिक जागरूकता और शैक्षिक क्रांति लाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी अमरपाल सिंह भुइयार ने कहा कि समाज के मेधावी विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर समाज और देश का नाम रोशन करेंगे।

इस अवसर पर डॉ. आलोक सिंह, विनोद कुमार, डालचंद, वीरेंद्र सिंह, दीपक कुमार, ओमपाल सिंह, गुरदास सिंह, डॉ. सी.पी. सिंह, गिरिराज सिंह, गोपाल सिंह, संजीव कुमार, सूरज सिंह, गंगाराम सिंह, पवन सिंह, भोपाल सिंह, गजेंद्र सिंह अधिवक्ता, सोपाल सिंह, मेहर सिंह, ओमकार सिंह, पंकज जायसवाल, डॉ. बी.पी. सिंह, सत्यपाल सिंह, केशव शरण, तेजपाल सिंह, रमा रानी, डॉ. अंशिका, यशवंशी वाल, वर्षा पवार, कर्मेंद्र सिंह, संदीप सिंह, दीपक कुमार, टीकम सिंह, राहुल कुमार और ज्ञान सिंह सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन केशव शरण और राजेंद्र कुमार भुइयार ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के उत्तर प्रदेश बोर्ड, सीबीएसई तथा आईसीएसई बोर्ड की परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 5100, 3100 और 2100 रुपये के नगद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। सोसाइटी के अध्यक्ष तेजपाल सिंह और महामंत्री केशव शरण ने बताया कि मौली, वैभव सिंह, शौर्य सिंह, पीयूष कुमार, वैष्णवी सिंह, ऋषभ कुमार, प्रियांशु, निकुंज, अनंत कुमार, राधिका, अभिनव कुमार तथा प्रियांशु समाज के प्रमुख टॉपर विद्यार्थियों में शामिल रहे। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तीन साल के इंतजार के बाद सर्विस रोड की नहर पर पुलिया निर्माण शुरू

बिजनौर (शिखर समाचार)। पानीपत खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरूकी ओवरब्रिज की सर्विस रोड स्थित नहर पर पुलिया निर्माण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। करीब तीन वर्षों से इस मांग को लेकर संघर्ष कर रहे भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) और क्षेत्रीय ग्रामीणों में निर्माण कार्य शुरू होने से खुशी का माहौल है। पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कंपनी के अधिशासी अभियंता आशीष शर्मा की देखरेख में पुलिया निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया गया है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह धनखड़ और क्षेत्रीय अध्यक्ष बृजेश कुमार ने बताया कि बरूकी बस स्टैंड पर बने ओवरब्रिज के दोनों ओर सर्विस रोड की नहर पर पुलिया निर्माण की मांग को लेकर संगठन पिछले तीन वर्षों से लगातार संघर्ष कर रहा था। इस दौरान कई बार धरना-प्रदर्शन और अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे गए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय ग्रामीणों और राहगीरों को लंबे समय से आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। किसानों और स्थानीय लोगों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कंपनी ने सर्विस रोड की एक ओर नहर पर पुलिया निर्माण का कार्य शुरू करा दिया है। अधिशासी अभियंता आशीष शर्मा ने बताया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए पुलिया निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है, ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द से जल्द सुविधा मिल सके। पुलिया निर्माण शुरू होने से ग्रामीणों और किसान यूनियन पदाधिकारियों ने संतोष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि शेष आवश्यक कार्य भी शीघ्र पूरे कराए जाएंगे, जिससे क्षेत्र की यातायात संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।

नगर पालिका में करोड़ों के घोटाले का आरोप, पूर्व चेयरमैन सतीश मित्तल ने सीबीआई जांच की मांग उठाई

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद हापुड़ में कथित करोड़ों रुपये के घोटाले को लेकर पूर्व पालिकाध्यक्ष सतीश मित्तल ने वर्तमान पालिकाध्यक्ष पुष्पा देवी के पति श्रीपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को ज्ञानलोक कॉलोनी स्थित अपने कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। सतीश मित्तल ने आरोप लगाया कि पालिका में टेंडर और फाइलों की प्रक्रिया में अनियमितताएं की जा रही हैं तथा कई मामलों में पालिकाध्यक्ष के नाम पर फर्जी हस्ताक्षर कर कार्यों को मंजूरी दी जाती है। उनका कहना है कि बिना कमीशन के कोई भी फाइल पास नहीं होती और पालिका की संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने दिल्ली रोड स्थित आनंद विहार के ओपी-1 प्लॉट का मामला उठाते हुए आरोप लगाया कि प्राधिकरण अधिकारियों से मिलीभगत कर अवैध रूप से छोटे-छोटे भूखंडों का नक्शा पास कराया गया, जबकि उक्त भूमि बैंक में बंधक थी। आरोप है कि बैंक की अनुमति के बिना बैनामे और एग्रीमेंट कर कई लोगों से करोड़ों रुपये की वसूली की गई। पूर्व चेयरमैन ने यह भी आरोप लगाया कि जलकल विभाग में नियमों के विपरीत नियुक्तियां की गई हैं तथा पालिका परिसर में अवैध पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। उन्होंने तालाबों और पालिका की अन्य जमीनों पर भी अनियमितताओं तथा भू-माफियाओं से मिलीभगत के आरोप

लगाए। सतीश मित्तल ने कहा कि शहर की कूड़ा गाड़ियां कबाड़ हो चुकी हैं, जबकि उनकी मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च दिखाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में जानबूझकर पालिका को नुकसान पहुंचाने का काम किया गया है। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई से कराने की मांग की और कहा कि जांच होने पर कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं। यह सभी आरोप पूर्व पालिकाध्यक्ष सतीश मित्तल द्वारा प्रेसवार्ता में लगाए गए हैं। संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अमेरिकी हमले में भारतीय नाविकों की मौत पर कांग्रेस ने जताई चिंता, शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

शामली। (शिखर समाचार) शहर के धीमानपुरा स्थित कांग्रेस नेता सोहिल धीमान के आवास पर रविवार को कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की गई तथा शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मृत्यु के बाद भारत सरकार का मौन बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस घटना पर अमेरिका द्वारा अफसोस व्यक्त करने और माफी मांगने के बजाय धमकी एवं आदेशात्मक भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, जो स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत एक संप्रभु और स्वतंत्र राष्ट्र है तथा अपनी

संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा की रक्षा करना अच्छी तरह जानता है। केंद्र सरकार को इस मामले में मजबूती से अपना पक्ष रखना चाहिए। ओमप्रकाश शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार न तो देशवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर पा रही है और न ही देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपेक्षित दृढ़ता दिखा रही है।

बैठक के दौरान उपस्थित कांग्रेस कार्यकताओं ने शहीद सैनिकों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा, ओमवीर उपाध्याय, शेखरपाल, रविंद्र आर्य, डॉ. श्रीपाल सिंह, पंडित ज्योति प्रसाद, सोहिल धीमान, श्रीराम शर्मा और सागर कालखंडे सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हापुड़ में एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 28 बालिकाओं का हुआ टीकाकरण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के सभी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 28 लाभार्थियों को एचपीवी का टीका लगाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कस्तला पहुंचकर टीकाकरण कार्यक्रम का निरीक्षण किया तथा

स्वास्थ्य विभाग की टीम का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. योगेश गुप्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कपिल गौतम, आरआरटी जेएसआई से कासिम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने टीकाकरण की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनमानस से अपील करते हुए कहा कि 14 वर्ष तक की बालिकाओं को एचपीवी का टीका अवश्य लगवाएं। उन्होंने बताया कि यह टीका सभी सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क उपलब्ध है और बालिकाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक है। उन्होंने अभिभावकों से स्वास्थ्य विभाग के इस महत्वपूर्ण अभियान में सहयोग करने तथा अधिक से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण कराने का आह्वान किया।

सरकारी चकरोड पर कब्जे के मामले में किसान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के पलौता गांव में सरकारी चकरोड पर अवैध कब्जा करने के मामले में एक किसान के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। गांव निवासी उमेश कुमार ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि गांव के ही एक किसान ने उसके खेत के पास से गुजर रही सरकारी चकरोड पर कब्जा कर लिया है। इससे चकरोड की चौड़ाई काफी कम हो गई है और किसानों को खेतों तक आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत मिलने के बाद तहसील प्रशासन द्वारा मामले की जांच कराई गई। जांच में शिकायत सही पाई गई और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद प्रशासन की संस्तुति पर आरोपी किसान मंथन के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को घर से निकाला, पति समेत तीन पर रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे ससुराल से निकाल देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति समेत तीन लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संतपुरा कॉलोनी निवासी गुनगुन की शादी जुलाई 2025 में निकटवर्ती गांव बखारवा निवासी विशाल के साथ हुई थी। गुनगुन का आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। विरोध करने पर उसके साथ अक्सर मारपीट की जाती थी। पीड़िता के अनुसार दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया। इसके बाद उसने पुलिस से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस का कहना है कि महिला की तहरीर के आधार पर पति विशाल, ससुर वीर सिंह तथा ननद शालू के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बुढ़ाना पुलिस ने हत्या के एक आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा हत्या में प्रयुक्त धातु का कड़ा बरामद किया गया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार गत शुक्रवार को क्षेत्र के गांव कुरथल निवासी अंकित का शव

जंगल में पड़ा मिला था। इस मामले में मृतक के चाचा कवल सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर गांव के ब्रह्म सिंह तथा दो अन्य लोगों के विरुद्ध लोहे की रॉड और धातु के कड़े से पीट पीटकर हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया था। कोतवाली प्रभारी सुभाष बाबू अत्री ने बताया कि पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित आरोपी खतौली रोड स्थित बसी गेट के पास मौजूद है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा। पीछा करने पर वह खेतों में कूद गया और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी ब्रह्म सिंह पुत्र नैन सिंह के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा हत्या में प्रयुक्त धातु का कड़ा बरामद किया है। सुभाष बाबू अत्री ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। वह पूर्व में हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा पा चुका है और न्यायालय से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आया हुआ था। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

भीषण गर्मी में राहत: एपीजे अब्दुल कलाम स्टैचू के पास लगा वाटर कूलर, राहगीरों को मिलेगा ठंडा पानी

हापुड़ (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से खिदमत चैरिटी ग्रुप हापुड़ द्वारा सिकंदर गेट टंकी पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा के निकट वाटर कूलर मशीन स्थापित कराई गई। रविवार को जामिया अरबिया खादिम उल इस्लाम के मोहतमिम मुफ्ती कदीम कासमी ने इसका उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में मुफ्ती कदीम कासमी ने कहा कि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़े पुण्य कार्यों में से एक है। भीषण गर्मी में ठंडा पानी उपलब्ध होने से लोगों को राहत मिलेगी और ऐसे सामाजिक कार्य लगातार होते रहने चाहिए। खिदमत चैरिटी ग्रुप के संस्थापक यासीन मलिक ने बताया कि संस्था समय-समय पर जनहित के कार्य करती रहती है और भविष्य में भी जरूरतमंदों की सहायता का यह सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी ग्रुप द्वारा शहर के लिए मस्जिद शकरकुई में डेड बॉडी फ्रीजर दान किया गया था।
उन्होंने बताया कि वाटर कूलर मशीन एपीजे अब्दुल कलाम सोसायटी के अध्यक्ष दानिश कुरैशी की देखरेख में लगाई गई है और भविष्य में इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी वही निभाएंगे। इस अवसर पर हाजी फजलुर्रहमान, डॉ. गुलफाम जहीर, चौधरी हसरत अली, डॉ. जुनैद अनवर, मुफ्ती खालिद कासमी, मौलाना अजीजुर्रहमान कासमी, एहतेशाम खान, डॉ. लईक, मौलाना हुसैन, हाजी जमील मलिक, इंतखाब आलम, आदिल कुरैशी, हाजी मोनिश कुरैशी, राशिद मेवाती, हाफिज अजमल तोमर सहित खिदमत चैरिटी ग्रुप के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसजीएसटी ने 10 घंटे चेकिंग अभियान चला 40 वाहन किए जब्त

कानपुर, एजेंसी। राज्य कर विभाग ने कर चोरों के खिलाफ 10 घंटे का चेकिंग अभियान चलाकर 40 वाहन जब्त किए। ये वाहन बिना वैध प्रपत्रों के माल का परिवहन कर रहे थे। इनमें 16 वाहनों में पान मसाला, आयरन–स्टील, स्क्रैप, सुपाड़ी, कत्था, लकड़ी और टिंबर को ले जाया जा रहा था। यह अभियान 11 जून की रात नौ बजे से 12 जून की सुबह सात बजे तक चला। यह कार्रवाई अपर आयुक्त, जोन–प्रथम और जोन–द्वितीय और अपर आयुक्त ग्रेड–दो (विशेष अनुसंधान शाखा) राज्य कर प्रशांत कुमार और कुमार आनंद के निर्देश पर 14 सचलदल इकाइयों ने की। सचल दल की टीमों ने कानपुर के मुख्य मार्गों और टोल प्लाजा पर जांच की ।इस दौरान बिना 24 वाहन बिना ई–वे बिल और बीजक जैसे वैध प्रपत्र के मिले। इसके अतिरिक्त, पान–मसाला, लोहा–इस्पात/कबाड़, सुपाड़ी, कत्था, लकड़ी और इमारती लकड़ी जैसी संवेदनशील वस्तुओं का परिवहन कर रहे 16 वाहनों को भी जब्त किया गया।

स्कूल बच्चों को प्रवेश दें, उनको पात्रता जांचने का अधिकार नहीं

कानपुर, एजेंसी। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत चयनित छात्रों को प्रवेश देने में आ रहीं दिक्कतों पर शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें एडीएम सिटी आलोक कुमार गुप्ता ने स्पष्ट किया कि निजी स्कूलों को छात्रों की पात्रता जांचने का अधिकार नहीं है उन्हें सीधे प्रवेश देना होगा। बैठक में स्कूलों ने अपात्र छात्रों की ओर से गलत आय प्रमाण पत्र बनवाकर योजना का लाभ लेने की शिकायत की। सभी स्कूलों के प्रतिनिधियों की आपत्तियां सुनने के बाद एडीएम सिटी ने दो टूक शब्दों में कहा कि स्कूलों को पात्रता जांच के बजाय प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। बैठक में 20 में से केवल आठ स्कूलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बीएसए हरिओम सिंह ने अनुपस्थित स्कूलों के प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब करने की बात कही है। मालूम हो कि कई निजी स्कूलों में आरटीई के तहत बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इस पर बीएसए ने 20 स्कूलों की सूची डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह को सौंपी थी। डीएम ने शत–प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कराने के लिए एडीएम सिटी को नोडल अधिकारी नामित किया है।

नाबालिग पुत्री के अपहरण मामले में पुलिस पर लापरवाही का आरोप, डीआईजी से शिकायत

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के गांव असरपुर जिडाना निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण के मामले में पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए सहारनपुर मंडल के डीआईजी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित रामकिशन के अनुसार उनकी 16 वर्षीय पुत्री को गांव का ही एक युवक 21 मई को कथित रूप से बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया था। घटना के बाद उन्होंने थाना कांधला में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कई दिनों तक पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ित का कहना है कि उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के बाद 6 जून को मुकदमा दर्ज किया गया, लेकिन अब तक न तो आरोपी की गिरफ्तारी हो सकी है और न ही नाबालिग पुत्री की बरामदगी हो पाई है। रामकिशन ने आरोप लगाया कि पुलिस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है, जिससे पूरा परिवार मानसिक तनाव और चिंता की स्थिति में है। उन्होंने डीआईजी से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए नाबालिग की शीघ्र बरामदगी तथा आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। बताया गया है कि शिकायत की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को भी भेजी गई है। वहीं, मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

आयुष मलिक प्रकरण में वायरल वीडियो पर नया विवाद, पिता ने युवती को बताया परिवार से असंबंधित

शामली (शिखर समाचार)। आयुष मलिक धर्मांतरण प्रकरण से जुड़े एक नए वायरल वीडियो को लेकर जिले में चचाओं का दौर तेज हो गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में एक युवती स्वयं को आयुष मलिक की बहन बताते हुए दिखाई दे रही है। वीडियो वायरल होने के बाद आयुष मलिक के पिता देवराज मलिक ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए वीडियो में किए गए दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। देवराज मलिक ने स्पष्ट कहा कि वीडियो में दिखाई दे रही युवती उनकी बेटी नहीं है और उसका उनके परिवार से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट एवं भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करने की अपील करते हुए कहा कि मामले को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब है कि आयुष मलिक धर्मांतरण एवं कथित निकाह प्रकरण पहले से ही चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मामले में दर्ज मुकदमे के आधार पर पुलिस चांदनी कुरैशी, उसके पिता इस्लाम कुरैशी तथा चाचा तौफीक कुरैशी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। वायरल वीडियो को लेकर फिलहाल पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं वीडियो में युवती द्वारा किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि भी नहीं हो सकी है। देवराज मलिक का कहना है कि वायरल वीडियो के माध्यम से लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, जबकि मामले की जांच और कानूनी प्रक्रिया पहले से जारी है।

यूपीसीए स्पीड हंट के लिए आगरा तैयार, 14 जिलों के 1245 तेज गेंदबाज दिखाएंगे दम

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की बहुप्रतीक्षित स्पीड हंट प्रतियोगिता के लिए आगरा केंद्र की तारीखों का एलान कर दिया गया है। प्रदेश के 14 जिलों के तेज गेंदबाज 2 और 3 जुलाई को अपनी रफ्तार का दम दिखाएंगे। लंबे समय बाद आगरा को प्रदेश स्तरीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम का महत्वपूर्ण केंद्र बनाया गया है।

आगरा केंद्र के अंतर्गत आगरा, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, कासगंज, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, फर्रुखाबाद, बदायूं, बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर जिलों के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इन जिलों से कुल 1245 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 1214 पुरुष और 31 महिला खिलाड़ी हैं। दो दिन तक चलने वाले ट्रायल में प्रतिदिन 600 से अधिक खिलाड़ियों की परीक्षा होगी।

आगरा को केंद्र बनाए जाने से ब्रज क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्रिकेट खिलाड़ियों को बड़ा अवसर मिला है। स्थानीय खिलाड़ियों को दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। स्पीड हंट के जरिये कई नई प्रतिभाओं के सामने आने की उम्मीद बढ़ गई है।

प्रदेश के छह शहरों में होंगे ट्रायल : यूपीसीए का यह अभियान 14-15 जून को गाजीपुर से शुरू होगा। इसके बाद 17-18 जून को प्रयागराज, 20 से 22 जून तक गोरखपुर, 24 से 26 जून तक लखनऊ और 28 से 30 जून तक कानपुर में ट्रायल आयोजित होंगे। आगरा में 2-3 जुलाई को ट्रायल के बाद 5-6 जुलाई को मेरठ केंद्र पर अंतिम चरण का आयोजन होगा। प्रदेश के 75 जिलों से 9625 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि आगरा केंद्र बनने से ब्रज क्षेत्र के खिलाड़ियों को सीधा लाभ मिलेगा। बड़ी संख्या में युवा गेंदबाज अपनी गति, फिटनेस और तकनीक का प्रदर्शन कर सकेंगे।

प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच : उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बताया कि 2 और 3 जुलाई को आगरा केंद्र पर स्पीड हंट के ट्रायल आयोजित होंगे। यूपीसीए का उद्देश्य प्रदेश के कोने-कोने से तेज गेंदबाजी की प्रतिभाओं को तलाश कर उन्हें आगे बढ़ने का मंच देना है। हमें विश्वास है कि इस अभियान से कई ऐसे खिलाड़ी सामने आएंगे जो भविष्य में उत्तर प्रदेश और भारतीय क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बुजुर्ग व्यापारी से गाली-गलौज, पांच दिन बाद भी कार्रवाई नहीं, दुकान खाली कराई, धरना-प्रदर्शन

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर स्थित हाईवे किनारे बाबा जलपान गृह में चौकी इंचार्ज राजेश सिंह द्वारा सात जून को बुजुर्ग व्यापारी से अभद्रता गाली गलौज किए जाने का मामला पांच दिन बाद भी ठंडे बस्ते में पड़ा है। व्यापारी का आरोप है कि चौकी इंचार्ज का तबादला होने के बावजूद वे चौकी पर ही तैनात हैं और लगातार दबाव बना रहे हैं।इसी दबाव में पीड़ित की दुकान खाली करा दी गई। पीड़ित व्यापारी ने बताया कि पिछले पांच दिनों से दुकान मालिक दबाव डाल रहा था और यह दबाव चौकी इंचार्ज के इशारे पर था मजबूर होकर उन्हें दुकान खाली करनी पड़ी। व्यापारी ने भावुक होकर कहा कि अब सामान लेकर कहां जाएंगे, इसकी कोई व्यवस्था नहीं है।

उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। वहीं, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के महामंत्री रजत पांडेय ने कहा कि दरोगा जी जीत गए, लेकिन इंसानियत हार गई। एक गरीब की दुकान में परिवार का सपना बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्ग की दवा का इंतजाम था।

जिला अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया कि व्यापारी हित में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन वापस लेना पड़ा, लेकिन संगठन डीसीपी से मिलकर पीड़ित को सम्मान दिलाने की लड़ाई जारी रखेगा। व्यापारी की मांग है कि भले ही दुकान चली गई हो लेकिन उनके पिता को न्याय अवश्य मिले।

महाराजपुर थाने में व्यापारियों ने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। महेश वर्मा ने स्पष्ट किया है कि जब तक इस मामले में कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकलता और दोषी दरोगा के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। व्यापारी थाने से नहीं हटेंगे। वहीं, मामले में एसीपी कैंट ने शनिवार दोपहर तक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शिक्षकों और विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं : श्रीचंद शर्मा

मुरादनगर (शिखर समाचार)। रीजनल प्राइवेट स्कूल फेडरेशन द्वारा मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से पुनः विधान परिषद सदस्य पद के प्रत्याशी बनाए जाने पर श्रीचंद शर्मा के सम्मान में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फेडरेशन के पदाधिकारियों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधकों ने फूलमालाओं, अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए श्रीचंद शर्मा ने कहा कि कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित छोटे छोटे विद्यालय शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बच्चों को शिक्षा से जोड़ना राष्ट्र सेवा का कार्य है और निजी विद्यालय इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निजी विद्यालयों के हित में कई सकारात्मक निर्णय ले रही है। अब विद्यालयों की मान्यता पट्टा प्रपत्र के आधार पर भी प्राप्त की जा सकती है, जबकि पहले भूमि का स्वामित्व अनिवार्य था। इसके अलावा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मान्यता के लिए राज्य सरकार से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि विद्यालयों के वाहनों के लिए अलग से परिवहन अनुमति की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। साथ ही शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों तथा वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षण केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का पवित्र कार्य है। उन्होंने आगामी शिक्षक निर्वाचन परिषद चुनाव में सहयोग और समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षकों और विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए वे निरंतर संघर्ष करते रहेंगे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आयकर विभाग की सेवानिवृत मुख्य आयुक्त डॉ. शिखा दरबारी ने कहा कि विद्यालयों को विद्यार्थियों में गुणवत्ता, नैतिक मूल्यों और नेतृत्व क्षमता का विकास करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से मतदाता पहचान संबंधी सभी आवश्यक औपचारिकताएं समय रहते पूर्ण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र वर्मा, मूलचंद गर्ग और ललित त्यागी ने श्रीचंद शर्मा को अंगवस्त्र पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। फेडरेशन के सदस्यों ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सत्यपाल सिंह, योगेन्द्र सिंह, विनोद जिंदल, कृष्णपाल, सोमनाथ शर्मा, मनोज शर्मा और मलखान सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यालय प्रबंधक उपस्थित रहे। अंत में फेडरेशन के अध्यक्ष रामकिशन बंधु ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिला की थाने में पिटाई, चार पुलिसकर्मियों पर दर्ज हुआ मुकदमा; उनकी तैनाती पर उठे सवाल

आगरा, एजेंसी। महिला की पिटाई के मामले में सत्र न्यायालय से रिवीजन खारिज होने के बाद थाना सिकंदरा पुलिस फंस गई है। कोर्ट के आदेश पर तीन दरोगा और एक सिपाही के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई मगर आरोपी पुलिसकर्मियों को छह दिन बाद कार्रवाई से छूट मिली हुई है। जिस थाने में पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी है, उसी थाने में अब तक उनकी तैनाती पर पीड़ित पक्ष ने सवाल उठाए हैं।

किरावली मोड़, रुनकता निवासी सीमा सिकरवार को थाना शाहगंज में दर्ज मारपीट, गालीगलौज, धमकी सहित अन्य के मामले में गैर जमानती वारंट जारी होने पर 4 जून को गिरफ्तार किया गया था। 5 जून को पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया। सीमा सिकरवार ने पुलिस पर पिटाई के आरोप लगाए थे। कहा था कि पुलिस ने बेल्ट से पीटा। कोर्ट के आदेश पर बोर्ड से मेडिकल कराया गया, इसमें तीन जगह चोट की पुष्टि हुई। इस पर कोर्ट ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज दर्ज करने के आदेश किए।

इस आदेश के खिलाफ पुलिस ने सत्र न्यायालय में रिवीजन दाखिल किया। बृहस्पतिवार को सुनवाई के बाद सत्र न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया। इस पर देर रात प्राथमिकी दर्ज की गई। इसमें दरोगा सुरजीत सिंह, नीलेश शर्मा, नेहा और आरक्षी नेहा को नामजद किया गया। सीमा सिकरवार ने इन्हीं पर पिटाई के आरोप लगाए थे। आरोपी पुलिसकर्मियों की तैनाती अभी थाने में ही है। पीड़ित सिकरवार का कहना है कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से ही न्याय नहीं मिलेगा। दोषी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन पर विभागीय कार्रवाई भी हो। पीड़ित का कहना है कि महिला से मारपीट के लिए इंस्पेक्टर भी जिम्मेदार हैं। थाने में पुलिसकर्मी के कार्य के लिए इंस्पेक्टर ही जिम्मेदार होते हैं।

सीमा सिकरवार के मामले में पुलिस ने जितनी तेजी दिखाई, उतनी धोखाधड़ी और मारपीट के मामले में अमूमन पुलिस नहीं दिखाती है। पूरे खेल के पीछे करोड़ों की दुकानों पर कब्जे का मामला है। पीड़ित सीमा सिकरवार की ओर से दर्ज प्राथमिकी में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया। विपक्षी की तरफ से 2 जून को दर्ज हुई प्राथमिकी में दरोगा सुरजीत सिंह एक दिन बाद ही 3 जून को नक्शा बनाने पहुंच गए। इस पर पीड़ित ने कई गंभीर आरोप पुलिस पर लगाए हैं। सीमा सिकरवार ने बताया कि वर्ष 2013 में बाह निवासी ज्ञानेंद्र भदौरिया को अपनी दुकान किराए पर दी थी। इसी के विवाद में पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शांति भंग की कार्रवाई भी हुई। सुरजीत सिंह मामले की विवेचना कर रहे थे। अब पूरे प्रकरण में पुलिस की मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं।

पुलिस पर पिटाई के आरोप पूर्व में भी लग चुके हैं। मगर कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं होता है। सिर्फ खानापूर्ति ही की जाती है। किरावली थाना में हत्या के मामले में किसान से पूछताछ के दौरान मारपीट की गई थी। दोनों पैर तोड़ दिए थे। इस मामले में थानाध्यक्ष सहित तीन पर निलंबन करने की कार्रवाई की गई। मगर प्राथमिकी नहीं लिखी गई। बाद में जीवनी मंडी चौकी में एक दूध विक्रेता को पीटा गया। इस बार शासन में मामला पहुंचने पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई।

120 किमी थी कार की रफ्तार, ट्रक में घुसते ही फटे एयरबैग, न कट था और न अस्पताल पास, चार दोस्तों की मौत

कानपुर, एजेंसी। उन्नाव जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर कुरसठ के पास हुए हादसे में कार की तेज रफ्तार और प्रयागराज से करीब 250 किलोमीटर सफर की थकान की वजह से आई झपकी हादसे की वजह बनी। यूपीडा की भी लापरवाही सामने आई है। गलत लेन और वाहन के अनियंत्रित होते ही गश्ती टीमों को अलर्ट भेजने वाले सभी कैमरे अभी चालू नहीं हैं। यही वजह रही कि करीब आधे घंटे पहले खराब हुए ट्रक को हटाया नहीं जा सका। एक्सप्रेसवे पर सफर के दौरान चार लोगों को जान लेने वाले हादसे में कार सवारों की लापरवाही के साथ ही यूपीडा की भी अव्यवस्था सामने आई। करीब आधे घंटे पहले खराब हुए ट्रक में तेज रफ्तार कार टकराई, उस समय उसकी रफ्तार करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटा थी। धमाका इतनी तेज हुआ कि आसपास खेतों में मौजूद लोग चौक गए। पहुंचकर देखा तो ट्रक के नीचे चालक की सीट तक घुसी कार के परखच्चे उड़ चुके थे।

एक-एक करके घायलों को निकाला : कार सवार बुरी तरह घायल थे और पिचक गई कार में दबे थे। लोगों ने बाद में बताया भिड़ने के बाद कार के एयर बैगों के चीथड़े उड़ गए पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजे न खुलने पर कटर मशीन मंगाई। इसके बाद दरवाजों और छत को काटकर घायलों को एक-एक करके निकाला। खून से लतपथ हो चुके चारों लोगों में दो को बांगरमऊ सीएचसी और दो को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां सभी को मृत घोषित कर दिया गया।

अस्पताल के लिए एक तरफ 32 तो दूसरी तरफ 40 किमी तय करनी पड़ी दूरी : जिस जगह पर कार हादसा हुआ वहां आसपास कोई कट न होने से पहले पुलिस को पहुंचने में ही करीब तीस मिनट का समय लगा। इसके बाद कार में फंसे लोगों को निकालने में करीब चलीस मिनट और अस्पताल पहुंचाने में करीब आधे घंटे का समय लगा। घटनास्थल से बांगरमऊ सीएचसी की दूरी 32 किलोमीटर और जिला अस्पताल की दूरी 40 किलोमीटर है।

जल्दी आस्पताल पहुंच जाते, तो शायद कुछ की जान बच जाती : लखनऊ-कानपुर हाईवे सोनिक के पास टोल कट के बाद अगला कट यहां से 50 किलोमीटर दूर बेहटामुजावर में है। जहां पर हादसा हुआ वहां से सफीपुर और मियागंज सीएचसी की दूरी महज 10 किलोमीटर है। इन दोनों सीएचसी के लिए कोई इमरजेंसी कट न होने से एंबुलेंस को पहुंचने और घायलों को लेकर अस्पताल पहुंचाने में वक्त लगा। लोगों ने बताया कि अगर जल्दी आस्पताल पहुंच जाते तो, शायद कुछ की जान बच जाती।

चश्मदीद बोले- रफ्तार नियंत्रित होती तो सभी बच जाते : गंगा एक्सप्रेसवे खराब खड़े ट्रक के पीछे कार टकराने से हुए हादसे में गुजर रहे यात्री, मेरठ निवासी शरद कुमार, राहुल सिंह, मनोज रावत ने बताया कि अगर कार की रफ्तार नियंत्रित होती तो शायद हादसा न होता। बताया कि एक तरफ की सड़क तीन लेन की है और ट्रक सबसे किनारे तीसरी लेन में खड़ा था। अगर कार की रफ्तार नियंत्रित होती तो चालक ब्रेक लगा लेता या लेन बदल कर ओवरटेक करते हुए निकल जाता, लेकिन चालक के पास सोचने-समझने के लिए कुछ सेकेंड का ही समय होने से चारों की जान चली गई।

कार सवार लोगो को कैसे निकाला जाए : कुरठ निवासी किसान राजबहादुर, शिवराम ने बताया कि कार के टकराने की आवाज इतनी तेज थी कि वहां से करीब चार मीटर दूर होने के बाद भी सहम गए। पास जाकर देखआ तो कार ट्रक में घुसी थी। कुछ देर समझ नही आया कि कार सवार लोगो को कैसे निकाला जाए। तब डायल 112 पर फोन किया गया। पहले पीआरवी फिर एंबलेंस, उसके बाद दो थानों की फोर्स और यूपीडा कर्मी पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक : गंगा एक्सप्रेसवे पर हुई घटना में चार व्यापारियों की मौत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संतृप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

देश तब महान होता है जब कोई महान व्यक्तित्व उसका नेतृत्व करे, काशी में बोले सीएम योगी

वाराणसी , एजेंसी। केंद्र में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर वाराणसी में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि काशी संकरी गलियों के लिए जानी जाती थी। आज काशी को नई पहचान दिलाई है। प्रदेश को नई पहचान मिल रही है। पूरी दुनिया आती है काशी में। जब लोग नहीं आते थे, तो लोगों के मन में धारणा होती थी वहां अव्यवस्था है, गुंडागर्दी है, अराजकता है। कोई विकास नहीं हुआ है। यहां के लोग भी जाते थे तो उनको भी अपमानित होना पड़ता था। आज आप कहीं काशी, यूपी का नाम ले लीजिए। 2014 के पहले या 2017 के पहले जो व्यक्ति आपसे दस कदम दूर भागता था, आज वो आपको देखता है तो उसकी इच्छा होती है आपको गले लगा ले।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चौकाघाट स्थित गिरिजादेवी सांस्कृतिक संकुल सभागार में बोल रहे थे। उन्होंने यहां जनकल्याण शिविर, स्ट्रीट वेंडर और अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ऊर्जा का वैश्विक संकट आया हुआ है। अमेरिका जैसा देश जो दुनिया की सबसे बड़ी सामरिक ताकत है, वहां महंगाई लगभग चार गुना बढ़ी है। दुनिया के देशों की हालत खराब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट में भी भारत मजबूती के साथ अपने नागरिकों के साथ खड़ा है।

पीएम मोदी को काशी से सांसद चुनने पर हर काशीवासी गौरवान्वित : उन्होंने कहा कि आज से 12 वर्ष पहले नए भारत को नया नेतृत्व देने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी से सांसद चुनने पर हर काशीवासी अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं। वह देश जिसके सामने पहचान का संकट हो, वह कैसे महान हो सकता है और वह देश तब महान होता है जब कोई महान व्यक्तित्व उसका नेतृत्व करे। काशीवासियों को इस बात पर गौरव के अनुभूति होनी चाहिए कि वह महान व्यक्तित्व कोई और नहीं, काशी का सांसद है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना : सीएम ने कहा कि मैं बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु होने के साथ ही उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना करता हूं ताकि देश को वे अपना यशस्वी नेतृत्व देकर भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करते रहे। सीएम ने कहा कि जब पूरा देश नरेंद्र मोदी के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नए रिकॉर्ड के साथ उल्लास और उत्साह के नए माहौल के साथ जश्न मना रहा है और सभी उत्साहित है, तो प्रधानमंत्री के साथ काशीवासियो का नाम भी उनके साथ जुड़ता है। पूरी दुनिया में जहां कहीं भी कोई राष्ट्राध्यक्ष हो, जब पीएम के इस 12 साल के कार्यकाल वो देखता है और भारत की तुलना करता है। तो वो पीएम की तो सराहना करता ही है, लेकिन साथ-साथ देश, प्रदेश और सभी काशीवासियों की भी तारीफ करता है।

रोपवे लोगों के पूरे जीवन को बदलने में सहायक होगा : सीएम ने कहा कि रोपवे एक नया मॉडल है। जब उसका लोकार्पण होगा तब काशीवासियों को नया अहसास होगा। कैसे वो पूरे जीवन को बदलने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री योगी ने काशी में लगने वाले जाम की चर्चा करते हुए कहा कि काशी में भी जाम की स्थिति थी। इसमें आशातीत सुधार हुआ है। साल में 15 से 20 लाख श्रद्धालु काशी में आ रहे हैं। रेल की आधुनिक सुविधा बड़ी है। कोई सोचता था वंदे भारत, अमृत भारत, नमो भारत इन नामों पर ट्रेन आएगी। ये सभी ट्रेन भारत के अंदर बनेंगी। कोई सोचता था यह रायबरेली में बनेंगी। हमारे रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट की तरह दिखेंगे। 2014 से पहले यह एक सपना था। काशी के घाट इतने सुंदर हो गए हैं कि पर्यटक निहारते ही रह जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये जो परिवर्तन हो रहा है, इसकी जिम्मेदारी युवाओ, महिलाओं, सभी का है। बेटियों के लिए कन्या सुमंगला योजना में बेटी के जन्म देने से लेकर उसकी शादी तक की व्यवस्था है।

एक प्रधानमंत्री तो कहते थे 100 रुपये भेजता हूं नीचे केवल 15 रुपये ही पहुंचते हैं : योगी : सीएम योगी ने कहा कि एक प्रधानमंत्री थे जो कहते थे कि मैं क्या करूं? मैं तो 100 रुपये भेजता हूं लेकिन नीचे केवल 15 रुपये पहुंचते हैं। लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी के खाते में पूरा पैसा आता है। 2014 के पहले नहीं हो पाया। कहा कि स्वच्छता अभियान देश के अंदर 12 करोड़ गरीबों के घर में एक-एक शौचालय बनाने का काम किया। 4 करोड़ परिवार ऐसे थे देश के अंदर जिनके पास अपने सिर को ढकने के लिए छत नहीं थी। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास उपलब्ध कराने का काम किया। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से गरीबों को सरकारी अस्पतालों में भी फ्री का इलाज मिल रहा है। कोरोना कालखंड में भी फ्री टेस्ट, फ्री उपचार, फ्री वैक्सीन और फ्री राशन की व्यवस्था किया गया था। भारत के अंदर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से 80 करोड़ लोगों को निशुल्क राशन की सुविधा दी जा रही हैं।

2014 से पहले का समय याद करें, सिर्फ भ्रष्टाचार होता था : सीएम ने कहा कि 2014 से पहले के भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि याद कीजिए उस दौर में भ्रष्टाचार, चारों ओर अविश्वास का वातावरण, देश के अंदर आंतरिक और बाहरी सुरक्षा पर खतरा मंडराता रहा था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का भारत अलग तरह का है। पहले अन्नदाता आत्महत्या करने के लिए मजबूर था। नौजवान की प्रतिभा का लाभ, प्रदेश और देश के विकास में लगनी चाहिए थी।

नोएडा लोकमंच की नई स्वास्थ्य पहल बनी जरूरतमंदों के लिए वरदान

नोएडा (शिखर समाचार)। सेक्टर-12 स्थित निःशुल्क दवा बैंक एवं चिकित्सा केंद्र में नोएडा लोकमंच द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुलभ बनाने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत मात्र 30 रुपये में नेत्र जांच तथा 100 रुपये में दांत भरवाने अथवा निकलवाने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पहल विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए राहत का माध्यम बन रही है। इस सेवा का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ. महेश शर्मा तथा भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक सेवा वही है जो जरूरतमंद व्यक्ति तक न्यूनतम लागत पर पहुंचे। उन्होंने इस प्रयास को समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि नोएडा लोकमंच पिछले तीन दशकों से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। संस्था का उद्देश्य केवल उपचार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि भविष्य में एक चैरिटेबल अस्पताल की स्थापना करना भी है, ताकि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी व्यक्ति इलाज से वंचित न रहे।

स्वास्थ्य परियोजना के सीएसआर सहयोगी सक्षम चेंजमेकर और इन्फोसिस फाउंडेशन के अध्यक्ष ऋषि प्रताप सिंह ने कहा कि नेत्र एवं दंत चिकित्सा सेवाओं की यह शुरूआत शहर के जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था भविष्य में भी स्वास्थ्य क्षेत्र में जनहित के बड़े कार्यों में सहयोग करती रहेगी। उन्होंने लोगों से नोएडा आई केयर अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। नोएडा लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने बताया कि संस्था जल्द ही नोएडा के विभिन्न सेक्टरों और गांवों में चिकित्सकों की दो घंटे की सेवा उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य कर रही है। उन्होंने इसे जनसेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान इन्फोसिस फाउंडेशन एवं सक्षम चेंजमेकर ट्रस्ट के सहयोग से दवा बैंक में कॉर्निया प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया तथा चिकित्सा केंद्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर नोएडा लोकमंच, स्वास्थ्य प्रकल्प, तिरुपति आई ट्रस्ट, मैक्स हॉस्पिटल, सीओएनआरडब्ल्यूए तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति, पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध हास्य कवि एवं साहित्यकार विनोद पांडेय ने किया। वक्ताओं ने कहा कि सेवा, सहयोग और जनकल्याण की भावना से किए गए प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं। नोएडा लोकमंच की यह पहल न केवल सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत कर रही है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जनकल्याण शिविर व विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ

शामली (शिखर समाचार)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को विकास खंड थानाभवन परिसर में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर एवं विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं सेवाओं की जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई गई। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पंचायत विभाग, बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग तथा शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन, डिजिटल सेवाओं, आधारभूत संरचना, किसान कल्याण, महिला सशक्तिकरण तथा गरीब कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दीपक कोरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, आनंद पुंडीर, जिला मंत्री ब्रिजेश वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष पवन गौतम, चक्रेश राणा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में पहुंचे लोगों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी कार्यक्रमों की सराहना की। तीन दिवसीय शिविर के माध्यम से आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उनके लाभ उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

ट्रॉनिका सिटी में यूपीसीडा की भूमि पर बनी अवैध मजार को बुलडोजर ने किया ध्वस्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में सरकारी जमीनों पर बने हुए मजार, मदरसों और निर्माण को प्रशासन की तरफ से बुलडोजर से ध्वस्त किया जा रहा है। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने ट्रॉनिका सिटी के सेक्टर सी-1 क्षेत्र में यूपीसीडा की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित मजार को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस बल की मौजूदगी में पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। प्रशासन के अनुसार संबंधित मजार यूपीसीडा की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित की गई थी। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने मजार को जमींदोज कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारियों की टीम मौके पर मौजूद रही। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट / एसडीएम लोनी दीपक सिंघनवाल ने बताया कि जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के नेतृत्व में गाजियाबाद में अवैध कब्जों और अवैध निमार्णों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत किसी भी क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्रनाथ तिवारी ने बताया कि संबंधित मजार अवैध रूप से निर्मित थी, जिसके संबंध में नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। इस मामले में अवैध निर्माण कराने वालों के विरुद्ध भी आगामी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनपद में किसी भी प्रकार के भूमाफियाओं अथवा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों को पनपने नहीं दिया जाएगा। ऐसे तत्वों के विरुद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

चिराग त्यागी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर महापंचायत आयोजित

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम सैंथली में अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी चिराग त्यागी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर रविवार को एक महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा सर्व समाज के लोगों ने भाग लिया। महापंचायत को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने प्रदेश सरकार से चिराग त्यागी के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। साथ ही हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की मांग भी उठाई गई।

वक्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी चिराग त्यागी ने अपनी खेल प्रतिभा के बल पर क्षेत्र और देश का नाम रोशन किया था। उनकी हत्या से क्षेत्र के लोगों में गहरा दुःख और आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष एवं शीघ्र जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। महापंचायत में मौजूद लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। महापंचायत के दौरान ग्रामीणों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने शासन प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए दोषियों को शीघ्र कानून के दायरे में लाने की मांग की।

बजरंग दल पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शाहपुर थाना क्षेत्र में बजरंग दल के संबंध में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, 13 जून को शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव पलड़ी निवासी आकिल पुत्र साबिर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया था। आरोप है कि वीडियो में उसने बजरंग दल के प्रति अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। वीडियो वायरल होने के बाद बजरंग दल के कार्यकताओं में नाराजगी फैल गई और उन्होंने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

मामले का संज्ञान लेते हुए शाहपुर पुलिस ने जांच शुरू की और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी आकिल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार की।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी गजेंद्र चौधरी ने बताया कि सोशल मीडिया गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भड़काऊ अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली सामग्री प्रसारित किए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नाग नागिन का डांस देखने उमड़ी भीड़, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम धर्मोंवाला में नाग नागिन का एक जोड़ा इन दिनों लोगों के लिए आकर्षण और कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। दोनों सांपों को एक साथ देखकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया, जिसके बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में नाग और नागिन एक-दूसरे के साथ लिपटे हुए तथा अठखेलियां करते दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण इसे "नाग-नागिन का नृत्य" बता रहे हैं और इस अनोखे नजारे को देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंच रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, यह वीडियो बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम धर्मोंवाला का बताया जा रहा है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में इसकी चर्चा बनी हुई है और लोग वीडियो को साझा कर रहे हैं। हालांकि वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, सांपों का इस प्रकार दिखाई देना अक्सर उनके प्रजनन व्यवहार या आपसी गतिविधियों का हिस्सा हो सकता है। ऐसे मामलों में लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने और वन्यजीवों को किसी प्रकार से परेशान न करने की सलाह दी जाती है।

लखनऊ से आई खनन विभाग की स्पेशल टीम का शामली में बड़ा एक्शन, ओवरलोड रेत डस्ट से भरे 4 ट्रक सील

शामली। (शिखर समाचार)

उत्तर प्रदेश में अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत जनपद शामली में खनन विभाग की स्पेशल टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेत और डस्ट से भरे चार ओवरलोड ट्रकों को सील कर दिया। लखनऊ से विशेष रूप से भेजी गई टीम ने मेरठ-करनाल हाईवे पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर शिकंजा कसा।

जानकारी के अनुसार, लखनऊ से आए खनन विभाग के अधिकारी प्रशांत प्रभात के नेतृत्व में टीम ने हाईवे पर वाहनों की जांच की। इस दौरान कई ट्रक रेत और डस्ट का परिवहन करते मिले। जांच में पाया गया कि कुछ वाहन बिना वैध दस्तावेजों, बिना ओटीपी और निर्धारित मानकों से अधिक भार लेकर संचालित किए जा रहे थे। खनन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार ट्रकों को सील कर दिया तथा उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की। अचानक हुई इस कार्रवाई से ओवरलोड वाहन संचालकों और खनन कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। अधिकारी प्रशांत प्रभात ने बताया कि उन्हें लखनऊ से विशेष रूप से इस अभियान के लिए भेजा गया है। चेकिंग के दौरान कई वाहन बिना वैध कागजात, बिना ओटीपी और ओवरलोड पाए गए। नियमों का उल्लंघन करने वाले चार ट्रकों को सील कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि इस

प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। आम लोगों और प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि जब ओवरलोड वाहन लंबे समय से सड़कों पर संचालित हो रहे थे, तो स्थानीय खनन विभाग, परिवहन विभाग और पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि लखनऊ से स्पेशल टीम को हस्तक्षेप करना पड़ा, तो यह स्थानीय निगरानी व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

खनन विभाग की इस सख्त कार्रवाई ने स्पष्ट संकेत दिया है कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग के मामलों में अब किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

विवाहिता को जबरन विषैला पदार्थ खिलाने का आरोप, गंभीर हालत में मेरठ रेफर

शामली (शिखर समाचार)। शहर के मोहल्ला पंसारियान में एक विवाहिता को कथित रूप से जबरन विषैला पदार्थ खिलाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने अपनी पुत्री के पति और एक अन्य महिला पर मारपीट, उत्पीड़न तथा जान से मारने की नीयत से विषैला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। गंभीर अवस्था में विवाहिता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे मेरठ के उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया।

मोहल्ला पंसारियान निवासी शमा परवीन ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री अदीबा का विवाह लगभग दो वर्ष पूर्व मोहल्ला सरवरपीर निवासी साहिल के साथ हुआ था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही साहिल अदीबा के साथ गाली-गलौज और मारपीट करता रहा है। कई बार समझाने-बुझाने के बावजूद उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। शमा परवीन का आरोप है कि साहिल ने अपनी किरायेदार समरीन के साथ दूसरा विवाह कर लिया है। उनका कहना है कि समरीन पहले से विवाहित है और एक बच्चे की मां भी है। आरोप है कि साहिल लगातार अदीबा पर तलाक का दबाव बनाता था और उसे जान से मारने की धमकी देता रहता था। परिजनों के अनुसार रविवार को अदीबा अपने घर पर मौजूद थी। इसी दौरान साहिल और समरीन ने उसके साथ मारपीट की तथा उसे जबरन विषैला पदार्थ खिला दिया। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। अदीबा ने किसी तरह अपने परिजनों को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और आपातकालीन पुलिस सेवा 112 को सूचना दी।

परिजनों का आरोप है कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन विवाहिता को जिला अस्पताल तक पहुंचाने के बजाय बीच रास्ते से ही लौट गई। बाद में परिजन स्वयं उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेरठ के उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया। पीड़िता के परिजनों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएंगी।

नन्दी को घायल करने का आरोप, पुलिस से कार्रवाई की मांग

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव मिजार्पुर में एक नन्दी को घायल किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने पुलिस को शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीण रोहित, अनुज, कृष्णा सहित अन्य लोगों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रविवार सुबह करीब नौ बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने नन्दी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में नन्दी गंभीर रूप से घायल हो गया तथा उसका एक सींग भी टूट गया। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। शिकायतकताओं ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी की पहचान करने तथा उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रक्तदान मानवता की सेवा का सर्वोत्म माध्यम है : मुकेश चंदेल

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। 51 बार रक्तदान कर चुके स्थानीय निवासी मुकेश चंदेल ने कहा है कि रक्तदान के लिए किया गया एक छोटा-सा प्रयास किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नई आशा और नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने लोगों से स्वैच्छिक एवं नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस महादान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मीडिया से बातचीत करते हुए मुकेश चंदेल ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सर्वोत्म माध्यम है। उनका मानना है कि

प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता कभी भी किसी के सामने आ सकती है और ऐसे समय में रक्तदाता किसी के जीवन का सहारा बन सकता है। भाजपा नगर मंडल खतौली के पूर्व अध्यक्ष एवं भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता मुकेश चंदेल ने बताया कि वह अब तक 51 बार रक्तदान कर चुके हैं। सार्वजनिक रूप से आयोजित रक्तदान शिविरों के अलावा उन्होंने अपने परिचितों, रिश्तेदारों और अन्य जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए भी कई बार रक्तदान किया है। उन्होंने कहा कि जब भी किसी को रक्त की आवश्यकता होती है, वह यथासंभव मदद के लिए आगे आते हैं। 61 वर्षीय मुकेश चंदेल ने बताया कि उनकी रक्तदान सेवा यात्रा वर्ष 1983 में शुरू हुई थी, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से रक्तदान के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने और समाजहित में आगे आने की अपील करते हुए कहा कि नियमित रक्तदान न केवल किसी की जान बचाता है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है।

विवाहित छात्रा से कथित अश्लीलता व मारपीट के मामले की जांच शुरू, लेनदेन के पहलू की भी पड़ताल

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर खतौली पुलिस ने बीए-एलएलबी की एक विवाहित छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़, मारपीट और अश्लील हरकतों के मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले में लगाए गए आरोपों के साथ-साथ कथित रुपयों के लेनदेन के पहलू की भी जांच कर रही है। मोहल्ला देवीदास निवासी आयशा ने शिकायत में बताया कि पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने करीब एक वर्ष पूर्व उसके पति से निजी आवश्यकता बताकर 2.30 लाख रुपये उधार लिए थे और तीन माह में रकम लौटाने का वादा किया था। आरोप है कि निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी रकम वापस नहीं की गई। पीड़िता के अनुसार 4 फरवरी को आरोपी ने रुपये लौटाने के बहाने उसे अपने घर बुलाया। वहां पहुंचने पर आरोपी ने कथित रूप से उसका हाथ पकड़कर जबरन कमरे के अंदर खींच लिया। आरोप है कि कमरे में पहले से मौजूद उसके दो भाइयों ने भी उसके साथ गाली-गलौज की, विरोध करने पर मारपीट की तथा अश्लील हरकतें कीं। महिला का कहना है कि शोर मचाने पर आरोपियों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया और दोबारा रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। स्थानीय स्तर पर कार्रवाई न होने पर मामला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा तक पहुंचा। इसके बाद उनके निर्देश पर खतौली कोतवाली पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है। शिकायत में उल्लेखित धनराशि के लेनदेन से जुड़े तथ्यों की भी पड़ताल की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

डरा-धमकाकर नाबालिग किशोरी का अपहरण, चचेरे भाई समेत दो पर मुकदमा दर्ज

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के ग्राम पटपरा गांवड़ी से एक नाबालिग किशोरी के कथित अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने चचेरे भाई समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। ग्राम पटपरा गांवड़ी निवासी विदेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह दिल्ली में निजी नौकरी करते हैं, जबकि उनकी पत्नी सविता बच्चों के साथ गांव में रहती हैं। आरोप है कि 10 जून की रात करीब

10 बजे उनकी 17 वर्षीय पुत्री को रिश्ते में चचेरा भाई लगने वाला जतिन कुमार डरा-धमकाकर अपने साथ ले गया। पीड़ित पिता का कहना है कि आरोपी पहले भी उनकी पुत्री के साथ छेड़छाड़ करता था तथा परिजनों को जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी देता था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे घटनाक्रम में जतिन के चाचा मुन्नू सिंह ने भी उसका सहयोग किया। विदेश कुमार के अनुसार घटना की सूचना मिलने पर वह दिल्ली से गांव पहुंचे और चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी में लिखित शिकायत दी, लेकिन प्रारंभिक स्तर पर उनकी शिकायत पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने उच्चाधिकारियों से शिकायत कर न्याय की मांग की तथा मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी बेटी की सकुशल बरामदगी के लिए प्रार्थना पत्र भेजा। पीड़ित ने आरोप लगाया कि शनिवार शाम पुलिस ने मुन्नू सिंह को हिरासत में लिया था, लेकिन देर रात उसे छोड़ दिया गया। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

विश्व रक्तदान दिवस पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन, 140 लोगों ने किया रक्तदान

शामली (शिखर समाचार)। विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी शामली शाखा के तत्वावधान में रविवार को अग्रसेन पार्क में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राज्य शाखा के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ रेड क्रॉस सोसाइटी शामली के अध्यक्ष कुशांक चौहान ने स्वयं रक्तदान कर किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। रेड क्रॉस परिवार द्वारा

आयोजित शिविर में कुल 140 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। विशेष बात यह रही कि महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हुए सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। रक्तदाताओं के उत्साह को देखते हुए आयोजकों ने इसे समाज में बढ़ती जागरूकता का सकारात्मक संकेत बताया।इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी शामली के अध्यक्ष कुशांक चौहान तथा नगर पालिका परिषद चेयरमैन अरविंद संगल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता किसी भी समय किसी भी व्यक्ति को पड़ सकती है, इसलिए समाज के प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। शिविर को सफल बनाने में ब्लड कमेटी के सदस्य अजय संगल, डॉ. नदीम, डॉ. अक्षय, अंशुल संगल, अजय चौहान, विपिन चौहान, सुरेंद्र चौहान, नदीम, रवि कुमार, डॉ. सौरभ सिंह, नूतन पांडे तथा कुमारी काजल सहित अन्य स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा।

संपादकीय

ईरान अमेरिका समझौता : टकराव से संवाद की ओर बढ़ती दुनिया और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए नई उम्मीद

पिछले कई महीनों से पश्चिम एशिया में जारी तनाव, युद्ध की आशंकाओं, तेल आपूर्ति में बाधाओं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच 14 जून 2026 को सामने आई ईरान अमेरिका समझौते की खबर विश्व राजनीति की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक बनकर उभरी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची द्वारा यह संकेत दिया गया है कि अमेरिका के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता अंतिम चरण में है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी रविवार को समझौते पर हस्ताक्षर होने की बात कही है। यद्यपि दोनों पक्षों की ओर से समय सीमा को लेकर कुछ सावधानीपूर्ण बयान भी सामने आए हैं, फिर भी यह स्पष्ट है कि वर्षों की शत्रुता, प्रतिबंधों और सैन्य तनाव के बाद दोनों देश एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहाँ संवाद संघर्ष पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है।
इस प्रस्तावित समझौते के कई आयाम हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पुनः पूरी तरह खोलने पर सहमति बनने की संभावना जताई जा रही है। यह वही समुद्री मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल और गैस व्यापार गुजरता है। पिछले महीनों में इस मार्ग पर उत्पन्न संकट ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों को हिला दिया था। तेल की कीमतों में तेज उतार चढ़ाव, समुद्री बीमा लागत में वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया। अब यदि यह मार्ग सामान्य रूप से खुलता है तो ऊर्जा बाजारों में स्थिरता लौटने की उम्मीद बढ़ेगी।
समझौते के प्रारूप में ईरान पर लगे कुछ अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत, तेल निर्यात संबंधी छूट तथा ईरान की जमी हुई संपत्तियों को चरणबद्ध रूप से मुक्त करने जैसे प्रावधान भी बताए जा रहे हैं। इसके बदले ईरान ने परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है और परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत वार्ता आगे चलकर करने की बात कही गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी संकेत दिया है कि आर्थिक लाभों का पूरा क्रियान्वयन ईरान द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं के पालन पर निर्भर करेगा। अर्थात यह समझौता केवल राजनीतिक दस्तावेज नहीं बल्कि भरोसे के निर्माण की एक लंबी प्रक्रिया की शुरूआत है।
इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू लेबनान में इसराइल और हिज्बुल्लाह के बीच जारी संघर्ष को शांत करने का प्रयास है। पश्चिम एशिया में लंबे समय से विभिन्न मोर्चों पर चल रहे संघर्षों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बनाए रखा है। यदि यह समझौता वास्तव में क्षेत्रीय तनाव कम करने में सफल होता है तो इसका प्रभाव केवल ईरान और अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे मध्य पूर्व में शांति प्रक्रिया को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि यह भी सच है कि क्षेत्रीय राजनीति अत्यंत जटिल है और किसी एक समझौते से सभी विवाद समाप्त नहीं हो जाते। फिर भी संवाद की शुरूआत अपने आप में सकारात्मक संकेत है।
विश्व अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से देखें तो इस समझौते के संभावित प्रभाव अत्यंत व्यापक हो सकते हैं। सबसे पहले, कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम होने की संभावना है। यदि ईरान का तेल पुनः वैश्विक बाजार में बड़े पैमाने पर उपलब्ध होता है और होर्मुज मार्ग सामान्य रूप से संचालित होता है, तो ऊर्जा आपूर्ति बढ़ेगी तथा कीमतों में स्थिरता आएगी। इससे तेल आयात करने वाले देशों, विशेषकर भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों को राहत मिल सकती है। ऊर्जा लागत कम होने से परिवहन, विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव दिखाई देगा। दूसरा बड़ा प्रभाव मुद्रास्फीति पर पड़ सकता है। पिछले वर्षों में ऊर्जा कीमतों में वृद्धि वैश्विक महंगाई का एक प्रमुख कारण रही है। यदि तेल और गैस के दाम नियंत्रित रहते हैं तो केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों पर कठोर रुख अपनाने की आवश्यकता कम पड़ सकती है। इससे निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास को गति मिल सकती है। अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में भी जोखिम की भावना कम होगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा। विशेष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह एक सकारात्मक संकेत माना जाएगा।

~ मौलिक चिंतन ~

जब हम खुद टूटे होते हैं, तब अक्सर हम दूसरों के दर्द को बेहतर समझने लगते हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

डोनाल्ड ट्रंप के 40 झूठ पर भारी पड़ा ईरान

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर अभी तक 40 बड़े झूठ बोले हैं। हर झूठ के बाद शेयर बाजार में उस झूठ का असर दिखा, लेकिन ईरान के ऊपर इसका कोई असर नहीं हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति के मसीहा बनना चाहते थे। उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद इजराइल और गजा का युद्ध बंद कराने की बात कही थी। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच समझौता करने की बात कही थी। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप कहीं सफल नहीं हो पाए। उल्टे ईरान युद्ध में वह बुरी तरह से फंस गए हैं। जहां से अब उन्हें निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगता था वह दुनिया के सबसे बड़े शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति हैं, उनकी बात को सब मानेंगे। एक समय पर वह अपने आप को शांति के नोबेल पुरस्कार का हकदार मानकर चल रहे थे। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इतना झूठ बोलने के बाद भी अपने मनोवांछित फल को प्राप्त नहीं कर पाए। इस दुख का एहसास डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा किसको हो सकता है। जिस ईरान पर पिछले 47 सालों से अमेरिका ने प्रतिबंध लगा कर रखा और ईरान की जनता को भारी कष्ट पहुंचाया। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई और हमले में 165 से ज्यादा जिन बच्चों की हत्या की थी, लगता है यह पाप ट्रंप का पीछा नहीं छोड़ रहा है। अमेरिका जैसे महा शक्तिशाली राष्ट्र के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान जैसा कमजोर देश इस तरह की चुनौती देगा यह उनके सपने में भी नहीं था।
ईरान ने जिस तरह से पिछले 4 महीने में अमेरिका को उसकी औकात दिखाई है इसकी कल्पना शायद किसी ने भी नहीं की थी। ईरान जैसा कमजोर देश, जिस पर इतने सारे प्रतिबंध लगे हों, अमेरिका ने जहां सत्ता पलटने की भरपूर कोशिशें कर लीं हों, आर्थिक दृष्टि से कमजोर ईरान उसे इस तरह से मात देगा। उसके कारण डोनाल्ड ट्रंप को इतने सारे झूठ बोलने पड़ेंगे। 40 झूठ बोलने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को इस युद्ध से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौता हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आज 14 जून को जन्मदिन है। उन्होंने यह कहा था कि वह अपने जन्मदिन पर सारी दुनिया को एक तोहफा देने जा रहे हैं। लेकिन यह तोहफा भी वह नहीं दे पा रहे हैं। इस समझौता पत्र पर जिनेवा में हस्ताक्षर किया जाना था, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आराघची ने यह कहकर समझौते पर पलीता लगा दिया है कि अभी समझौते की शर्तों पर सहमति नहीं बनी है। समझौते की शर्त पर सहमति बन जाने के बाद ईरान की सरकार जनता के सामने उन शर्तों को रखकर जनता की मंजूरी मिलने के बाद समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। ईरान की राजनीति, कूटनीति और सामरिक रणनीति अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के लिए बहुत भारी पड़ी है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की रणनीति के सामने बेबस हो गए हैं। अगले कुछ ही महीनो में इजराइल में आम चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू जिस तरह से इस युद्ध में पराजित हो रहे हैं, ऐसी स्थिति में राजनीति के क्षेत्र में इन दोनों नेताओं का जो दबदबा था वह दबदबा पूरी तरह से खत्म होने की कगार पर खड़ा हो गया है।
ईरान, इजराइल और अमेरिका के इस युद्ध से राजनेताओं को सबक लेने की जरूरत है। आप कितने भी मजबूत हों लेकिन यदि किसी को जरूरत से ज्यादा आप परेशान करते हैं या दबाते हैं तो ऐसी स्थिति में कोई भी ताकत कम नहीं होती है। रूस महाशक्ति था, महाशक्ति है लेकिन एक यूक्रेन जैसे छोटे देश ने जिस तरह से रूस का मुकाबला किया है। ईरान जिसके ऊपर पिछले 47 वर्षों से तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर लगातार उसे कमजोर किया गया था, उसने भी अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की हत्या के बाद जिस तरह से अपने आप को बचाने के लिए हर तरह से मुकाबला किया, उसने सारी दुनिया को आश्चर्यचकित किया है। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए यह भी कहा जा सकता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने झूठ बोलकर भले अरबों डॉलर की कमाई शेयर बाजार से कर ली हो, लेकिन उनके झूठ ने उनकी और अमेरिका की साख में जो बट्टा लगाया है, उसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती है। जिस तरह की स्थितियां वैश्विक स्तर पर बनी हैं, इस तरह से सत्ता में बैठे हुए लोगों को अपनी ताकत का जो अहंकार है वह अहंकार किस तरह से टूटता है, अमेरिका, ईरान और इजराइल युद्ध इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवसः सम्मान और सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

बुजुर्ग हमारे अनुभव, संस्कार और जीवन मूल्यों की अमूल्य धरोहर हैं। कहना गलत नहीं होगा कि वे अनुभव और मार्गदर्शन का ऐसा खजाना होते हैं, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक संपत्ति से नहीं की जा सकती। सच तो यह है कि बुजुर्ग केवल हमारे अतीत का ही हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे हमारे वर्तमान की नींव और भविष्य के पथप्रदर्शक भी हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बच्चों और बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। बुजुर्ग परिवार को एकजुट रखने वाले घने छायादार व बड़े वृक्ष के समान होते हैं। अपने अनुभवों और मूल्यों के माध्यम से वे नई पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करते हैं तथा जीवन में सफलता और ऊंचाइयों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।सच तो यह है कि बुजुर्ग हमारी संस्कृति और परंपराओं के संवाहक हैं तथा बच्चों के लिए आदर्श की भूमिका निभाते हैं। परिवार में उनकी उपस्थिति सुरक्षा, विश्वास और भावनात्मक संबल का एहसास कराती है। वे परिवार के सदस्यों के बीच उत्पन्न होने वाले मतभेदों और विवादों को सुलझाने में मध्यस्थ की भूमिका निभाते हैं तथा घर में एकता और सामंजस्य बनाए रखते हैं। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान, सुरक्षा और उचित देखभाल करना हम सभी का नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष 15 जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस बुजुर्गों के प्रति होने वाले शोषण, उपेक्षा, हिंसा और आर्थिक दुर्व्यवहार के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए समर्पित है।
यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस की शुरूआत पहली बार 15 जून 2006 को इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर द प्रिवेंशन ऑफ एल्डर एब्यूज और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई थी। इसके बाद दिसंबर 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अपने प्रस्ताव ए/आरईएस/66/127 के माध्यम से 15 जून को आधिकारिक रूप से विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। तब से यह दिवस पूरी दुनिया में संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज के समय में बदलती जीवनशैली और पारिवारिक संरचनाओं के कारण अनेक बुजुर्गों को उपेक्षा, अकेलेपन और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक दिन हम भी वृद्धावस्था में प्रवेश करेंगे। इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि जिस व्यवहार की अपेक्षा हम अपने लिए करते हैं, वही सम्मान हमें आज अपने बुजुर्गों को देना चाहिए। यह दिवस हमें बुजुर्गों के साथ होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और वित्तीय दुर्व्यवहार के प्रति सचेत करता है। अनेक बुजुर्ग डर, शर्म, सामाजिक दबाव अथवा जानकारी के अभाव में अपने साथ हो रहे अत्याचार की शिकायत नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें अपनी आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें प्रभावी सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराना इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य है।
यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में हर छह में से एक बुजुर्ग, अर्थात लगभग 15.7 प्रतिशत, किसी न किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का शिकार होता है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि बुजुर्गों के साथ होने वाले 24 मामलों में से केवल एक मामला ही अधिकारियों तक पहुंच पाता है। अधिकांश मामले बदनामी, पारिवारिक संबंधों के टूटने या अपनों को खोने के डर से घर की चारदीवारी के भीतर ही दबकर रह जाते हैं। दुर्व्यवहार के मामलों में सबसे बड़ा हिस्सा मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का होता है, जो लगभग 11.6 प्रतिशत है। इसमें ताने देना, अपमान करना, बात न करना या अकेला छोड़ देना जैसी स्थितियां शामिल हैं। दुखद तथ्य यह भी है कि अधिकांश मामलों में दुर्व्यवहार करने वाले बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं परिवार के सदस्य–जैसे बच्चे, जीवनसाथी या करीबी रिश्तेदार होते हैं। इसके बाद वित्तीय धोखाधड़ी और आर्थिक शोषण के मामले सामने आते हैं। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनिया में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 2 अरब तक पहुंच जाएगी। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो बुजुर्ग दुर्व्यवहार के शिकार लोगों की संख्या बढ़कर 32 करोड़ से अधिक हो सकती है, जो पूरे विश्व के लिए एक गंभीर सामाजिक चुनौती होगी।
भारत में बुजुर्गों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 लागू है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन एल्डर लाइन जैसी सुविधाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि बुजुर्गों को आवश्यक सहायता और संरक्षण मिल सके। वर्ष 2025 की थीम थी-दीर्घकालिक देखभाल केंद्रों में बुजुर्गों के दुर्व्यवहार को संबोधित करनाः डेटा और कार्रवाई के माध्यम से, जबकि वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम है-जागरूकता से परेः बुजुर्ग दुर्व्यवहार रोकथाम को व्यावहारिक बनाना। यह थीम स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि अब केवल जागरूकता फैलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसे मजबूत और व्यावहारिक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है जो जमीनी स्तर पर बुजुर्गों के खिलाफ होने वाले अपराधों और दुर्व्यवहार को रोक सकें। इस अंतरराष्ट्रीय दिवस का आधिकारिक प्रतीक बैंगनी रंग है। गौरतलब है कि 15 जून के दिन दुनिया भर में लोग बैंगनी रंग के कपड़े पहनकर या पर्पल रिबन लगाकर बुजुर्गों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं तथा उनके विरुद्ध होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार के खिलाफ एकजुटता प्रदर्शित करते हैं।
अंततः यह समझना आवश्यक है कि बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें सम्मान, प्रेम, मानसिक शांति, आत्मनिर्भरता और गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना भी उतना ही आवश्यक है। कानून अपनी भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन जब तक परिवार और समाज में संवेदनशीलता, सम्मान और मानवीय मूल्यों का विकास नहीं होगा, तब तक बुजुर्गों के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज की जड़ें हैं। यदि हम उनकी सुरक्षा, सम्मान और खुशहाली सुनिश्चित करेंगे, तभी एक संवेदनशील, सभ्य और संस्कारित समाज का निर्माण संभव होगा।

सोमवती अमावस्या : श्रद्धा, विश्वास और लोकजीवन की आस्था का महापर्व

कांतिलाल मांडोत

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।

भारतीय संस्कृति में तिथि, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण पर्वों में सोमवती अमावस्या का विशेष स्थान है। जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है, तब उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। वर्ष 2026 में यह पावन अवसर 15 जून को मनाया जा रहा है। इस दिन अमावस्या, सोमवार, पितृ स्मरण, शिव आराधना तथा दान-पुण्ग य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।
सोमवती अमावस्या का लोकजीवन में बहुत बड़ी अहमियत है। श्रद्धा और विश्वास के साथ जुड़ी यह तिथि लोगों के उल्लास, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं तथा दान-पुण्य के माध्यम से समाज और धर्म के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं।
सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करने का विशेष महत्व है। यदि गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान का अवसर प्राप्त हो जाए तो इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। जो लोग तीर्थस्थलों तक नहीं पहुंच पाते, वे घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। स्नान के पश्चात भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं तथा सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की जाती है।
सोमवती अमावस्या पर पीपल वृक्ष की पूजा का भी विशेष महत्व है। भारतीय परंपरा में पीपल को देववृक्ष माना गया है। मान्यता है कि इसमें देवताओं का वास होता है। महिलाएं और पुरुष पीपल के वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा करते हैं तथा परिवार के सुख, स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना करते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देती है। भारतीय संस्कृति ने वृक्षों को पूजनीय बनाकर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी बढ़ावा दिया है। लोकजीवन में सोमवती अमावस्या केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का भी पर्व है। इस दिन दान-पुण्य करने की परंपरा लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करती है। अन्न, वस्त्र, फल, मिठाई, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करके लोग समाज के कमजोर वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे सामाजिक सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

भारत के विभिन्न राज्यों में सोमवती अमावस्या को अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। कहीं विशाल मेले लगते हैं तो कहीं धार्मिक यात्राएं निकाली जाती हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है। परिवार के सदस्य एक साथ पूजा करते हैं और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। इससे पारिवारिक एकता और सामाजिक जुड़ाव को भी बल मिलता है।
महिलाओं के लिए भी सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। अनेक महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा पति की दीघार्यु के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करती हैं। धार्मिक विश्वास है कि श्रद्धा और भक्ति से किया गया व्रत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और मंगलकारी फल प्रदान करता है।
वर्ष 2026 की सोमवती अमावस्या को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस दिन कई शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं। सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या, ज्येष्ठ अधिक मास का समापन और मिथुन संक्रांति जैसे योग इस दिन के धार्मिक महत्व को और अधिक बढ़ा रहे हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इसे पुण्यकारी अवसर माना जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक प्राप्त होता है। सोमवती अमावस्या हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहां लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, वहीं ऐसे पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। पितरों का स्मरण केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपनी विरासत, परिवार और संस्कारों के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है।
आज के समय में जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा जीवन का प्रमुख हिस्सा बनती जा रही है, तब सोमवती अमावस्या जैसे पर्व हमें आध्यात्मिकता, सेवा, दया और परोपकार का संदेश देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, परिवार और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।
अंततः कहा जा सकता है कि सोमवती अमावस्या भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपराओं का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह श्रद्धा, विश्वास, भक्ति, दान और पितृ सम्मान का अनुपम संगम है। लोकजीवन में इसकी गहरी पैठ है और करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी हुई है। यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक सौहार्द, प्रकृति संरक्षण और मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ करता है। श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण सोमवती अमावस्या वास्तव में भारतीय लोकजीवन के उल्लास, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है।
~~~~~~~~~

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

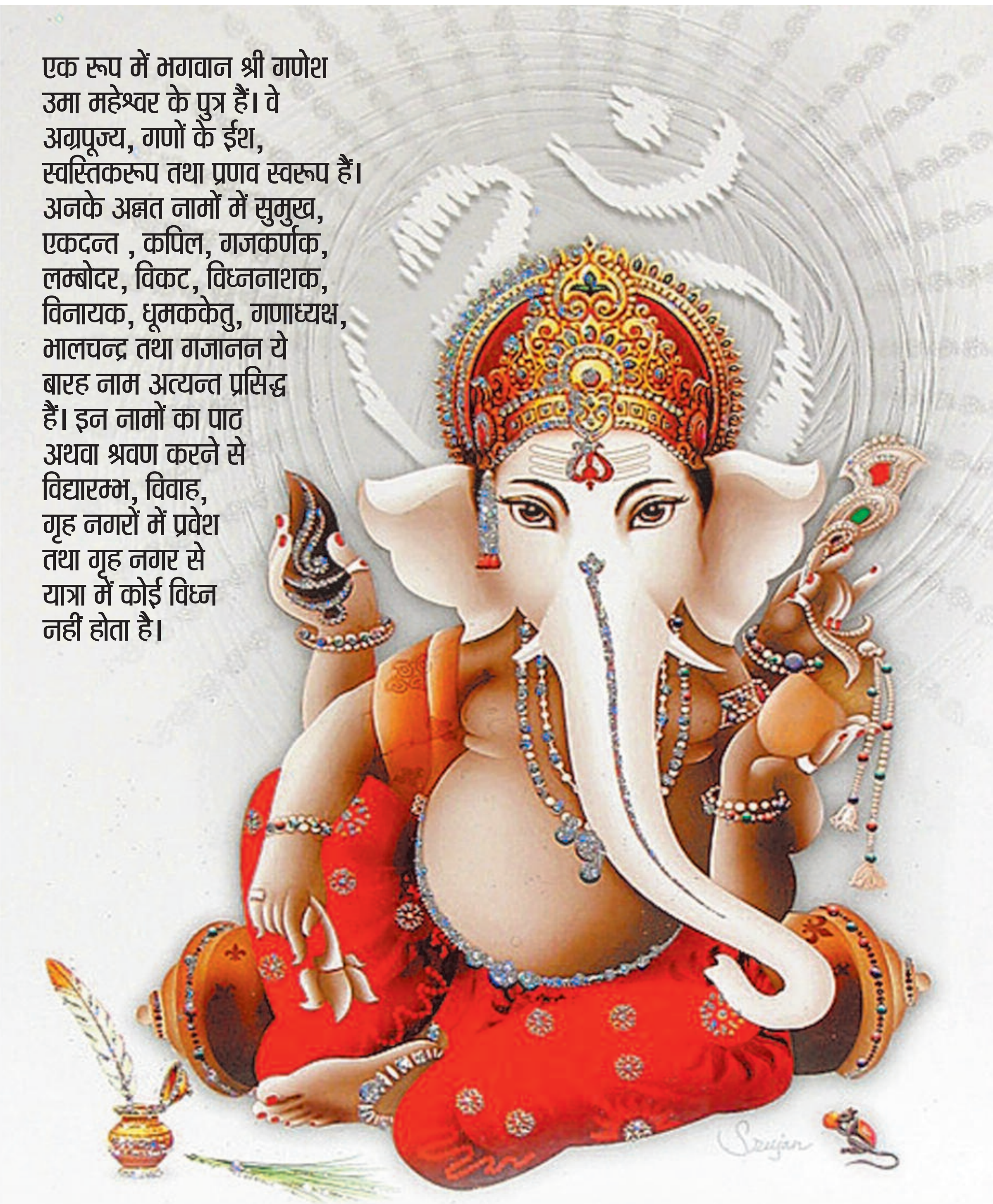

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

सरकार ने प्याज खरीद मूल्य बढ़ाकर 16.50 रुपए किलो किया

नई दिल्ली ।

सरकार ने प्याज किसानों को राहत देते हुए बफर स्टॉक कार्यक्रम के तहत प्याज की खरीद दर में बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब यह 16.50 रुपए प्रति किलोग्राम (1650 रुपए प्रति क्विंटल) की दर से खरीदी जाएगी, जो पहले 15.80 रुपए प्रति किलोग्राम थी। यह संशोधित मूल्य शनिवार से प्रभावी हो गया है, जो किसानों की आय सुनिश्चित करने और बाजार में कीमतों को स्थिर रखने में सहायक होगा। यह कदम मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत बफर स्टॉक कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके माध्यम से सरकार बाजार में संतुलन बनाए रखती है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि मौजूदा मंडी कीमतों और भंडारण योग्य प्याज की गुणवत्ता के मद्देनजर यह फैसला हुआ। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि खरीद प्रक्रिया को बाजार की स्थितियों के हिसाब से बेहतर बनाने के लिए कीमत निर्धारण के तरीके में भी सुधार किया गया है। हालांकि, देश के सबसे बड़े प्याज उत्पादक महाराष्ट्र के किसान खेती की बढ़ती लागत का हवाला देते हुए 30 रुपए प्रति किलो की न्यूनतम खरीद कीमत की मांग कर रहे थे। इस साल सरकार का लक्ष्य दो लाख टन प्याज खरीद का है, जो पिछले वर्ष से कम है। केंद्र पहले भी दरें 12.70 रुपए से बढ़ाकर 15.80 रुपए प्रति किलो कर चुका है। मौजूदा सत्र की प्याज खरीद 15 मई को शुरू हुई थी।

एआई निवेश में नरमी के संकेत, वैश्विक बाजारों में इंफ्रास्ट्रक्चर से घटा रुझान

- ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट फंड्स से 10 अरब डॉलर की निकासी

मुंबई ।

दुनियाभर के बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निवेश थीम की चमक अब थोड़ी फीकी पड़ती दिख रही है, खासकर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई-चेन से जुड़ी कंपनियों में। ब्रोकरेज फर्म इलारा कैपिटल की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक एआई आधारित निवेश के बड़े उछाल के बाद पहली बार निवेशक इन क्षेत्रों से अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। इसका सीधा असर ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट (जेएम) फंड्स पर पड़ा है, जिनसे बीते छह हफ्तों में रिकॉर्ड 10 अरब डॉलर की निकासी दर्ज की गई। इस वैश्विक बदलाव की आंच भारत पर भी पड़ रही है, जहां से विदेशी निवेशक लगातार पूंजी निकाल रहे हैं। एक रिपोर्ट बताती है कि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और कमोडिटी इकोसिस्टम में बड़े पैमाने पर हो रहे निवेश को लेकर निवेशकों का उत्साह धीमा पड़ा है। पिछले एक साल से अधिक समय में यह पहली बार है जब इस थीम की रफ्तार कमजोर पड़ी है। इस रुझान के चलते, उन ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट फंड्स से 10 अरब डॉलर की निकासी हुई है, जो ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों के जरिए एआई थीम में निवेश के लिए पसंदीदा बन गए थे। कमोडिटी इक्विटी और कीमती धातुओं वाले फंड्स से भी बड़ी मात्रा में पैसा बाहर निकला है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि एआई तकनीक से सीधे लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में निवेशकों का भरोसा अब भी मजबूत बना हुआ है। हालिया बाजार सुधार के दौरान अमेरिकी टेक-फोकस्ड फंड्स में रिकॉर्ड 9 अरब डॉलर का निवेश आया, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में विदेशी निवेश लगातार 11वें सप्ताह भी सकारात्मक रहा और 10 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा। यह दर्शाता है कि निवेशक अब अधिक चुनिंदा हो गए हैं और सीधे एआई से लाभान्वित होने वाली कोर कंपनियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत के लिए यह ग्लोबल एआई निवेश थीम से जुड़ा बदलाव चुनौती भरा साबित हो रहा है। भारत और चीन उन प्रमुख बाजारों में शामिल हैं जहां से निवेशक पैसा निकालकर एआई से जुड़े वैश्विक अवसरों की ओर मोड़ रहे हैं। हालिया सप्ताह में भारत-केंद्रित फंड्स से लगभग 77 करोड़ डॉलर (770 मिलियन डॉलर) की निकासी हुई, जिसमें से 46 करोड़ डॉलर केवल फोकस्ड फंड्स से निकले। जेम फंड्स की तुलना में भारत का प्रदर्शन पिछले एक और तीन साल दोनों अवधियों में रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिसकी मुख्य वजह वैश्विक पूंजी का AI अवसरों की ओर शिफ्ट होना है।

भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई का पलायन जारी, 2026 में 2.87 लाख करोड़ निकाले

– भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आर्थिक चिंताएं और रुपये की कमजोरी बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजार से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। वर्ष 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से एफपीआई ने लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल लिए हैं, जो पूरे वर्ष 2025 की कुल निकासी से कहीं अधिक है। भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आर्थिक वृद्धि की चिंताएं और रुपये की लगातार कमजोरी इस पलायन की मुख्य वजह है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार 2026 में फरवरी को छोड़कर हर महीने एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे हैं। मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी, जो किसी भी एक महीने की सबसे बड़ी निकासी थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव, प्रमुख केंद्रीय बैंकों के नीतिगत निर्णय और वैश्विक वृद्धि की चिंताएं निवेशकों में अनिश्चितता पैदा कर रही हैं। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशक जोखिम कम करने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर विकसित बाजारों या अपेक्षाकृत सुरक्षित परिसंपत्तियों में लगा रहे हैं। अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारतीय शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन और रुपये की लगातार कमजोरी (इस साल लगभग छह प्रतिशत) भी विदेशी निवेशकों के सतर्क रुख का कारण है। हालांकि, शेयरों के विपरीत एफपीआई ने जून के पहले पखवाड़े में बॉन्ड प्रतिभूतियों में 13,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इस साल अब तक बॉन्ड में कुल निवेश 28,000 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

एफटीए से भारतीय फर्नीचर उद्योग में निर्यात व विनिर्माण को मिलेगी नई रफ्तार

- शुल्क रियायतों से विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी

नई दिल्ली ।

भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से देश के फर्नीचर उद्योग को निर्यात और घरेलू विनिर्माण दोनों में बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इन समझौतों के तहत मिलने वाली शुल्क रियायतें भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देंगी, जिससे देश में निवेश और उत्पादन क्षमता विस्तार को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत ने मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों से एफटीए लागू किए हैं, जबकि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों से वार्ता पूरी हो चुकी है। गुजरात स्थित निप्पॉनप्लाई इंडस्ट्रीज के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार इन समझौतों से भारतीय फर्नीचर के लिए बड़े निर्यात अवसर खुलेंगे और आयात प्रतिस्थापन की भी व्यापक संभावनाएं हैं। भारतीय उत्पाद अपनी गुणवत्ता और नवीनता के कारण वैश्विक मानकों पर खरे उतरते हैं; निप्पॉनप्लाई जैसी कंपनियाँ अब उन्नत तकनीक वाले खरोंच-रहित और अग्निरोधी फर्नीचर का निर्माण कर रही हैं।

अमेजन भारत में बढ़ाएगी रोबोटिक्स और ऑटोमेशन का उपयोग

- कंपनी 2030 तक 35 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश को प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में अपने परिचालन को और अधिक स्वचालित करने की तैयारी में है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह देश के फुलफिलमेंट केंद्रों में उन्नत रोबोटिक्स और स्वचालन प्रौद्योगिकियों का विस्तार करेगी। अमेजन रोबोटिक्स के एक मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी ने बताया कि भारत के फुलफिलमेंट नेटवर्क में पहले से ही एसएलएएम (स्कैन, लेबल, अप्लाई, मैनिफेस्ट) लेबलर जैसी कई स्वचालित प्रणालियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी इनमें निवेश जारी रखेगी और भारतीय बाजार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अमेजन ने अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। उन्होंने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यूरोप में अगली पीढ़ी के 'प्रोटियस' रोबोट की तैनाती की जा रही है, जो कर्मचारियों को शारीरिक रूप से कठिन कार्यों में सहायता करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि समय के साथ कंपनी अपनी रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी का दायरा बढ़ाएगी और भविष्य में इसे अन्य क्षेत्रों में भी ले जाया जाएगा, जिससे भारत में भी इनकी तैनाती की उम्मीद है। कृत्रिम मेधा (एआई) और आपूर्ति श्रृंखला प्रौद्योगिकियों में निवेश पर ब्रैडी ने जिम्मेदार एआई विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के तेजी से विकसित होने के इस प्रारंभिक दौर में अत्यधिक नियमन नवोन्मेषण और प्रौद्योगिकी प्रगति को बाधित कर सकता है। उन्होंने कहा` कि मैं नहीं चाहूंगा कि इस शुरुआती दौर में अत्यधिक नियामकीय वातावरण के कारण नवोन्मेषण प्रभावित हो।

वैश्विक संकेतों, फेड निर्णय और कच्चे तेल के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

– विश्लेषकों की निगाहें महंगाई आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की घोषणा और भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी निर्णय और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि मई के महंगाई आंकड़े और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। स्थानीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहने वाला है, जिनकी बदौलत बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने राय जताई है कि घरेलू स्तर पर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक स्तर पर 16-17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और उसके निर्णय पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की टिप्पणियां, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों का विश्लेषण करेंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को संभावित शांति समझौता बाजार के लिए एक अहम भू-राजनीतिक घटनाक्रम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर और रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोलने की बात कही है, हालांकि असफल होने पर नए हमलों की संभावना का संकेत भी दिया है। इस समझौते की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में पहले ही गिरावट आई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा तय करेंगी। जून के पहले पखवाड़े में एफपीआई भारतीय शेयरों से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है। घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों की निगाहों में रहेगी।

रीबॉक की भारत में बिक्री दोगुनी, हर साल 50 नए स्टोर खोलने की तैयारी

– पिछले तीन साल में 210 से अधिक हुए स्टोर, छोटे शहरों और नए उत्पादों पर है कंपनी का फोकस

नई दिल्ली ।

खेलों के` लिए जूते और परिधान बनाने वाले प्रतिष्ठित ब्रांड रीबॉक ने भारत में शानदार वापसी की है। आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) के तहत इसकी बिक्री पिछले तीन साल में दोगुना से अधिक हो गई है। कंपनी अब इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए देश भर में अपनी उपस्थिति और मजबूत करने की तैयारी में है। एबीएलबीएल के मुताबिक इस अवधि में रीबॉक के स्टोर की संख्या 210 से अधिक हो गई है। भारत में विस्तार की अभी भी व्यापक संभावनाएं हैं, जिसे देखते हुए कंपनी अगले कुछ सालों तक हर वर्ष 40 से 50 नए स्टोर खोलने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है। उप प्रबंध निदेशक ने बताया कि नए उत्पादों की मांग बिक्री को गति दे रही है और रीबॉक की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही में लॉन्च की गई मल्टी-कोर्ट शूज की श्रृंखला को बाजार से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। रीबॉक छोटे शहरों और उभरते खुदरा केंद्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहा है, जहां बड़े अवसर मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि 2021 में आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने ऑथेंटिक ब्रांड्स ग्रुप से रीबॉक के भारत और आसियान देशों के लिए लाइसेंसिंग अधिकार प्राप्त किए थे, जिसे बाद में एबीएलबीएल के अंतर्गत शामिल किया गया।

उत्पाद नवाचार, श्रेणी विस्तार और नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने की रणनीति पर चलते हुए कंपनी रीबॉक की सतत वृद्धि को लेकर आश्वस्त है।

जून में धड़ाम हुए सोने-चांदी के दाम, निवेशकों को खरीदारी का मौका

एक महीने में सोना 9,434 रुपये तो चांदी 20,971 रुपये प्रति किलोग्राम तक हुई सस्ती

नई दिल्ली ।

जून का महीना सोने और चांदी के निवेशकों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जहां सोना प्रति 10 ग्राम 9,434 रुपये तक सस्ता हुआ, वहीं चांदी के दाम में भी प्रति किलोग्राम 20,971 रुपये की जोरदार कमी आई। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार 29 मई को 24 कैरेट सोना 1,57,043 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो 12 जून तक घटकर 1,47,609 रुपये पर आ गया। इस तरह सोने में 9,434 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, चांदी भी इसी अवधि में 2,63,966 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 2,42,295 रुपये पर पहुंच गई, जिसमें 20,971 रुपये की बड़ी कमी आई। हालांकि, गिरावट के इस दौर पर शुक्रवार को कुछ समय के लिए ब्रेक लगा। गुरुवार को 24 कैरेट सोना 1,44,782 रुपये प्रति 10 ग्राम था, लेकिन शुक्रवार को यह बढ़कर 1,47,800 रुपये तक पहुंच गया। इस मामूली रिकवरी का कारण वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में कमी और ईरान-अमेरिका के बीच बातचीत में सुधार के संकेत बताए जा रहे हैं, जिसने निवेशकों की धारणा को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया।

एनएसई अगले सप्ताह दाखिल करेगा आईपीओ दस्तावेज

5 लाख करोड़ से अधिक मूल्यांकन का अनुमान, केवल बिक्री पेशकश होगी

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अगले सप्ताह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष शुरुआती दस्तावेज दाखिल करने की तैयारी में है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार एनएसई 15 या 16 जून को यह महत्वपूर्ण कदम उठा सकता है, जिससे भारत के सबसे बड़े पूंजी बाजार आयोजनों में से एक की राह साफ होगी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के अनुमानित मूल्यांकन वाला यह आईपीओ ऐतिहासिक हो सकता है। एनएसई का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश पर आधारित होगा, जिसका अर्थ है कि एक्सचेंज कोई नया शेयर जारी नहीं करेगा। इसके बजाय, मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे, जिन्हें एनएसई बोर्ड ने 6 फरवरी को मंजूरी दी थी। प्रमुख शेयरधारकों में भारतीय जीवन बीमा निगम 10.72 फीसदी के साथ सबसे बड़ा, भारतीय स्टेट बैंक समूह लगभग 7.5 फीसदी के साथ और विदेशी निवेशक जैसे टेमासेक की अरांदा इन्वेस्टमेंट्स व कनाडा पेंशन योजना निवेश बोर्ड शामिल हैं। एनएसई की सूचीबद्धता की योजना लगभग एक दशक से 'को-लोकेशन' विवाद सहित विभिन्न नियामक कारणों से अटकी हुई थी। इस विवाद के निपटारे और जनवरी में सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद आईपीओ प्रक्रिया को गति मिली है।

विश्लेषकों का मानना है कि दस्तावेज दाखिल होने के बाद आईपीओ की समयसीमा और अंतिम आकार पर अधिक स्पष्टता आएगी। एक्सचेंज ने इस प्रक्रिया के लिए 20 मर्चेंट बैंकरों सहित कई सलाहकारों की नियुक्ति की है।

टॉप 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1.90 लाख करोड़ बढ़ा

– रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल भी फायदे में, टीसीएस और एलआईसी को नुकसान

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी से शीर्ष 10 में से आठ मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.90 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ, जबकि सेंसेक्स 1.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी एक प्रतिशत मजबूत हुआ। लाभ में रहने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 56,223 करोड़ रुपये बढ़कर 9.61 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 38,571 करोड़ रुपये बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपये रहा, वहीं भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन भी 36,137 करोड़ रुपये बढ़कर 9.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 13,296 करोड़ रुपये घटकर 7.82 लाख करोड़ रुपये रह गया, और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 822 करोड़ रुपये घटकर 5.05 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज शामिल रहे।

भ्रामक दावों पर एफएसएसएआई का शिकंजा 8 खाद्य कंपनियों को नोटिस

'हेल्दी' और 'वीगन' जैसे प्रचार पर नियामक ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के उल्लंघन के आरोप में आठ खाद्य कंपनियों को नोटिस जारी किया है। इन कंपनियों पर भ्रामक ब्रांड नाम, ट्रेड नाम और उत्पाद दावों का इस्तेमाल कर उपभोक्ताओं को गुमराह करने का आरोप है। नोटिस पाने वाली कंपनियों में इमामी हेल्दी एंड टेस्टी, हेल्थ एड, टूवी, द हेल्दी फैक्टरी, हेल्दी मास्टर, हेल्दी चॉइस, प्लान बी और न्यूहर्ब्स शामिल हैं। नियामक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच के माध्यम से इस कार्रवाई की जानकारी दी है। एफएसएसएआई के अनुसार इमामी हेल्दी एंड टेस्टी का 'ट्रेड' नाम और प्लान बी का बिना आवश्यक स्वीकृति के 'प्लांट बेस्ड वीगन' उत्पादों का प्रचार उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाला पाया गया है। एफएसएसएआई ने द हेल्दी फैक्टरी के 'जीरो मैदा होल व्हीट ब्रेड' जैसे दावों, न्यूहर्ब्स की 'ट्रू विटामिन' श्रृंखला के व्यापारिक नाम और टूवी के 'हेल्दी मिक्स वेजी चिप्स' जैसे स्नैक उत्पादों पर 'हेल्दी' होने के दावे को लेकर सवाल उठाए हैं। नियामक का कहना है कि इन उत्पादों में अन्य सामग्री भी शामिल होने से 'हेल्दी' बताना भ्रामक हो सकता है। इसी तरह हेल्दी मास्टर की टैगलाइन ''विजन टू सर्व हेल्दी'', हेल्दी चॉइस के ''हेल्दी फूड फॉर हेल्दी लाइफ पोहा'' और हेल्थ एड के ब्रांड नाम पर भी आपत्ति जताई गई है। प्राधिकरण का मानना है कि ये नाम और दावे उत्पादों की प्रकृति को लेकर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं, जिसका उल्लंघन खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दंडनीय है। इस कार्रवाई का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भ्रामक जानकारी से बचाना और बाजार में उत्पादों की सही जानकारी उपलब्ध करवाना है।

तेल-तिलहन बाजार में मिला-जुला रुख, सोयाबीन-पाम में गिरावट, सरसों में सुधार

अमेरिका-ईरान तनाव टलने से स्थानीय मांग प्रभावित; सोयाबीन, पाम और मूंगफली में नरमी, सरसों-बिनौला में सुधार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध की आशंका टलने से स्थानीय मांग कमजोर पड़ी, जिससे सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल और पामोलीन के साथ-साथ मूंगफली तेल के दाम में गिरावट दर्ज की गई।

वहीं सरसों और बिनौला तेल में मामूली सुधार देखा गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर मांग और आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल व पाम-पामोलीन तेल के दाम घटे। मूंगफली की गर्मी की फसल की आवक बढ़ने से भी इसकी कीमतों पर भारी दबाव रहा, जिससे मूंगफली तेल-तिलहन में नरमी आई।

हालांकि, सरसों की कमजोर आवक के कारण इसके दाम में मामूली सुधार हुआ, जबकि नगण्य उपलब्धता के चलते बिनौला तेल में हल्की मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन तिलहन के दाम तेल रहित खल (डीओसी) की सामान्य मांग के कारण स्थिर बने रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये के सुधार के साथ 7,675-7,700 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 5-5 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,585-2,685 रुपये और 2,585-2,730 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गर्मी की फसल आने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,575-7,150 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 220 रुपये की गिरावट के साथ 15,480 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,460-2,760 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

प्रो लीग का टिकट दांव पर, ऑकलैंड में भारतीय महिला हॉकी टीम की बड़ी परीक्षा

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑकलैंड में शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। कप्तान सलीमा टेटे की अगुआई में टीम का लक्ष्य टूर्नामेंट जीतकर अगले साल की प्रतिष्ठित एफआईएच प्रो लीग में जगह बनाना होगा। इस प्रतियोगिता की विजेता टीम को सीधे प्रो लीग का टिकट मिलेगा।

पूल चरण में अमेरिका, जापान और उरुग्वे से मुकाबला

भारत को पूल-ए में रखा गया है, जहां उसका पहला मुकाबला 15 जून को अमेरिका से होगा। इसके बाद 16 जून को जापान और 18 जून को उरुग्वे के खिलाफ मैच खेले जाएंगे। वहीं पूल-बी में मेजबान न्यूज़ीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस की टीमें शामिल हैं। भारतीय टीम मजबूत शुरुआत कर नॉकआउट चरण में लय बनाए रखना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से मिला आत्मविश्वास - टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का चार मैचों का दौरा किया, जहां उसने शानदार जुझारूपन दिखाया। पहला मुकाबला हारने के बाद भारत ने लगातार दो मैच जीतकर दमदार वापसी की। अंतिम मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीता और सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई। इस दौरे ने टीम को कठिन परिस्थितियों में खेलने का बहुमूल्य अनुभव दिया।

कोच मारिन ने जताया भरोसा

मुख्य कोच स्जोर्ड मारिन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा टीम के लिए बेहतरीन तैयारी साबित हुआ। उनके अनुसार खिलाड़ियों ने चुनौतियों का शानदार तरीके से सामना किया और दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अब पूरा ध्यान नेशंस कप पर है और टीम इस अवसर का अधिकतम फायदा उठाना चाहती है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप

डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को वेस्टइंडीज ने चौंकाया, 7 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

साउथैम्पटन (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन न्यूज़ीलैंड को अपने पहले ही मुकाबले में बड़ा झटका लगा। साउथैम्पटन में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूज़ीलैंड को 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया। इस जीत की सबसे बड़ी नायिका शेमेन कैंपबेल रहीं, जिन्होंने नाबाद 90 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

न्यूज़ीलैंड की अच्छी शुरुआत, लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना सकी - पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूज़ीलैंड को विकेटकीपर बल्लेबाज इज़ी गेज ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 29 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें 8 चौके शामिल रहे। हालांकि जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं। मध्यक्रम में ब्रूक हॉलिडे ने 32 गेंदों पर 40 रन और मैडी ग्रीन ने 35 रन की उपयोगी पारी खेली। इन पारियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की तुर्किये पर जीत

स्कॉटलैंड की यादगार वापसी

दिन के दो मुकाबले रहे ड्रॉ

वैंकूवर (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे दिन चार मुकाबले पूरे हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तुर्किये को एकतरफा अंदाज में हरा दिया है। इसके बाद जर्मनी का सामना कुराकाओ से रात 10:30 बजे होना है। तीसरे दिन दो मैच बराबरी पर छूटे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के अलावा स्कॉटलैंड ने भी जीत दर्ज की है। फीफा विश्व कप के तीसरे दिन कुल पांच मुकाबले खेले जाने थे जिसमें से तीन मैच पूरे हो गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया और तुर्किये का मुकाबला जारी है। दिन के अंतिम मैच में जर्मनी का सामि कुराकाओ से होगा। फीफा विश्व कप का खुमार अब धीरे-धीरे सिर चढ़कर बोल रहा है और तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। एक तरफ कतर ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका तो वहीं पांच बार की चैंपियन ब्राजील को विनिसियस जूनियर ने हार से बचाया। स्कॉटलैंड ने फुटबॉल के इस महाकुंभ में जीत से शुरुआत की।

मोरक्को ने ब्राजील को चौंकाया

पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टीम फुटबॉल विश्व कप के अपने पहले मैच में असली रंग में नहीं दिखी और मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में शुरू में पिछड़ गई। लेकिन विनिसियस जूनियर के गोल की बदौलत 1-1 से ड्रॉ हासिल करने में सफल रही। ब्राजील 2002 से खिताब नहीं जीत पाया है और उस पर इसका दबाव स्पष्ट नजर आ रहा था। दूसरी तरफ मोरक्को की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। मोरक्को की टीम ने पहले 30 मिनट में ब्राजील के गोल पर 12 शॉट लगाए। उसने इस बीच इस्माइल सैबारी के 21वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने गोलकीपर एलिसन बेकर के ऊपर से एक शानदार चिप शॉट से यह गोल किया। विनिसियस जूनियर ने 32वें मिनट में बराबरी का गोल किया।

इंजरी टाइम में कतर ने की वापसी

फीफा विश्व कप के तीसरे दिन सबसे पहले कतर का सामना स्विट्जरलैंड से हुआ। बौलेम खौखी के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गए गोल की मदद से कतर ने ग्रुप बी में मजबूत दावेदार माने जा रहे स्विट्जरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। ब्रील एम्बोलो ने 17वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्विट्जरलैंड को बढ़त दिलाई। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन अंतिम सीटी बजाने से कुछ देर पहले लेवी स्टेडियम में 67,966 दर्शकों के सामने खेले गए मैच में खौखी ने हेडर से बराबरी का गोल दागकर कतर को विश्व कप में अपना पहला अंक दिलाया। कतर चार साल पहले अपने देश में विश्व खेले गए विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था और यहां पहले मैच में वह बहुत प्रभावित नहीं कर पाया।ि

स्कॉटलैंड की विश्व कप में शानदार वापसी

स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी के मुकाबले में जीत से शुरुआत से की। स्कॉटलैंड ने हैती को 1-0 से हराया और पूरे तीन अंक जुटाए। स्कॉटलैंड ने इस तरह विश्व कप फुटबॉल में 32 साल बाद शानदार वापसी की। स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहा है। उसने 1990 के बाद विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल की। तब उसने स्वीडन को 2-1 से हराया था। वह फिलहाल ग्रुप सी में शीर्ष पर है। स्कॉटलैंड के लिए जॉन मैकगिन ने 28वें मिनट में गोल दागा जो अंत तक निर्णायक साबित हुआ। पहले हाफ के बाद दोनों टीमों ने दूसरे हाफ में गोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके।

ऑस्ट्रेलिया की एकतरफा जीत

ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप डी के मुकाबले में तुर्किये को एकतरफा अंदाज में 2-0 से हराया। तुर्किये की टीम पूरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को चुनौती नहीं दे सकी। ऑस्ट्रेलिया को पहले हाफ में नेस्ट्रोरी इरांकुडा ने बढ़त दिलाई। पॉल ओकोन इंग्सिटलर के पास पर इरांकुडा ने तुर्किये के डिफेंस को भेदा और गेंद को गोल पोस्ट के पार भेजा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ में तुर्किये से 1-0 की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त दोगुनी कर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए कोनोर मैटकेल्फे ने 75वें मिनट में गोल किया। ऑस्ट्रेलिया ने इस बढ़त को अंत तक बनाए रखा।

जर्मनी करेगी अभियान की शुरुआत

तीसरे दिन का आखिरी मुकाबला जर्मनी और कुराकाओ के बीच हुआस्टन में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार रविवार की रात 10 :30 बजे से होगा। जर्मनी की टीम इसके साथ ही विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी।

भारत-पाकिस्तान

के एल राहुल राहुल के सिक्स पर खुद को नहीं रोक पाए गंभीर, कैमरे में कैद हुआ रिएक्शन

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल की नाबाद 84 रन की पारी चर्चा में रही, लेकिन मैच के दौरान केएल राहुल का एक शानदार छक्का भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया।

गंभीर का रिएक्शन बना चर्चा का विषय - 22वें ओवर की आखिरी गेंद पर अफगानिस्तान के गेंदबाज जियाउर रहमान की गेंद को केएल राहुल ने कवर के ऊपर से शानदार छक्का जड़ दिया। राहुल का यह शॉट इतना बेहतरीन था कि आमतौर पर शांत रहने वाले भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर भी अपनी प्रतिक्रिया छिपा नहीं सके। कैमरे में गंभीर राहुल के शॉट से प्रभावित नजर आए।

एक ओवर में बटोरे 20 रन - राहुल ने जियाउर रहमान के उस ओवर में जमकर हमला बोला। 22वें ओवर में भारतीय बल्लेबाजों ने कुल 20 रन बटोरे, जिससे मैच पूरी तरह भारत की पकड़ में आ गया। राहुल की आक्रामक बल्लेबाजी ने अफगानिस्तान की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।केएल राहुल ने सिर्फ 19 गेंदों में 39 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने चार चौके और तीन शानदार छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 205.26 का रहा। राहुल की तेजतर्रार बल्लेबाजी ने भारत को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

प्लेयर ऑफ द मैच बने शुभमन गिल

गिल ने 66 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल रहे। उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत ने मुकाबला 13 गेंद शेष रहते सात विकेट से अपने नाम किया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली ।भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल की नाबाद 84 रन की पारी चर्चा में रही, लेकिन मैच के दौरान केएल राहुल का एक शानदार छक्का भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया।

गिल ने खेली मैच जिताऊ पारी - 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को रोहित शर्मा के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसके बाद शुभमन गिल ने पारी को संभाला और इशान किशन (34) के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की।

संजू सैमसन के बाद केरल को मिला एक और युवा स्टार

इंडिया अंडर-19 टीम में मानव कृष्णा को मिली जगह

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। केरल की अंडर-19 टीम के कप्तान और होनहार विकेटकीपर-बल्लेबाज मानव कृष्णा को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में चुना गया है। भारत श्रीलंका में तीन वनडे और दो चार-दिवसीय टेस्ट मैच खेलेगा। पेरूरकडा के रहने वाले मानव को घरेलू सीजन में शानदार बल्लेबाजी और विकेट के पीछे बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में बुलावा मिला। कृष्णा ने पिछले अंडर-19 सीजन में 592 रन बनाए और कूच बिहार ट्रॉफी में लगातार शतक जड़े, जिसमें सौराष्ट्र के खिलाफ 189 रन और हैदराबाद के खिलाफ 144 रन की पारी शामिल थी।

मानव ने दिल्ली में अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत की और 12 साल की उम्र में केरल चले गए। वे केरल की अंडर-16 और अंडर-19 टीमों के कप्तान बने और अपनी लीडरशिप और एथलेटिक क्षमताओं के लिए पहचान बनाई। श्रीलंका सीरीज के लिए इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में चुने जाने पर कृष्णा ने कहा, %मैं दाएं हाथ का बल्लेबाज और विकेटकीपर-बल्लेबाज हूं, और अंडर-19 टीम में चुने जाने पर बहुत खुश हूं। भारत के लिए खेलना हमेशा से मेरा सपना और लक्ष्य रहा है... मैं आत्मविश्वास से भरा हूं और साथ ही घबराया हुआ और उत्साहित भी हूं। मैंने दिल्ली में अपना करियर शुरू किया, फिर 12 साल की उम्र में केरल आ गया।

2025 केरल क्रिकेट लीग नीलामी में शामिल सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक मानव ने जनवरी 2026 में रणजी ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ केरल के लिए अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया। वे ओमान का दौरा करने वाली केरल टीम का भी हिस्सा थे। हस्र्य ट्रॉफी में 'प्रॉमिसिंग यंगस्टर' (होनहार युवा खिलाड़ी) का अवॉर्ड जीतने वाले इस युवा खिलाड़ी ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में खास ट्रेनिंग ली है। उनके छोटे भाई, माधव कृष्णा भी केरल की अंडर-19 टीम का हिस्सा हैं।

कोच जसपाल राणा के निधन से टूटीं मनु भाकर, भावुक पोस्ट से जताया दुख

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार निशानेबाज और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर अपने कोच और मार्गदर्शक जसपाल राणा के निधन से गहरे सदमे में हैं।

हाल ही में स्टेंट प्रक्रिया के बाद उत्पन्न हुई जटिलताओं के कारण नई दिल्ली में जसपाल राणा का निधन हो गया। वह 49 वर्ष के थे।

मनु भाकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने कोच के साथ तस्वीरें साझा करते हुए सिर्फ दो शब्द लिखे– अपूरणीय क्षति। इन शब्दों में उनके दुख और भावनात्मक लगाव की गहराई साफ झलक रही थी।

मनु के करियर को नई दिशा देने वाले गुरु जसपाल राणा सिर्फ एक कोच नहीं, बल्कि मनु भाकर के करियर के सबसे अहम स्तंभों में से एक थे। टोक्यो ओलंपिक 2020 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मनु का आत्मविश्वास बुरी तरह प्रभावित हुआ था। ऐसे कठिन दौर में राणा ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और फिर से शीर्ष स्तर पर वापसी करने के लिए प्रेरित किया। उनकी देखरेख में मनु ने शानदार वापसी की और पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि भारतीय शूटिंग के इतिहास की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक मानी जाती है।

गगनजीत भुल्लर मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंचे

रबात (मोरक्को) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने तीसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह 20 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंच गए।

चार बार के एएम ग्रीन आईजीपीएल विजेता और 11 बार के एशियन टूर चैंपियन ने चार अंडर 69 का स्कोर बनाया। उन्होंने पहले दो दौर में 70-74 का स्कोर बनाया था। करणदीप कोचर ने तीसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेला और वह तीन दौर के बाद चार अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 43वें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अजीतेश संधू (74) का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा और वह संयुक्त 25वें स्थान से संयुक्त 47वें स्थान पर खिसक गए। इस बीच दो बार के मास्टर्स चैंपियन बुब्बा वॉटसन ने अपनी बढ़त बनाए रखी। उनका कुल स्कोर 15 अंडर है।

कोच मनीष ओझा ने कहा

वैभव 10 साल की उम्र से ही रोज सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक 100 ओवर बैटिंग करते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पिछले दो सीजन में वैभव सूर्यवंशी के शानदार खेल ने भले ही सबको हैरान कर दिया हो, लेकिन उनके इतने सारे शॉट्स के लिए 'मसल मेमोरी' बनाने में 6 साल की कड़ी मेहनत लगी। उनके बचपन के कोच मनीष ओझा के मुताबिक यह युवा बल्लेबाज रोजाना आठ घंटे प्रैक्टिस करता था और 100 ओवर का सामना करता था। 15.5 साल की उम्र में वर्ल्ड क्रिकेट के सबसे रोमांचक बल्लेबाज को आईपीएल के शानदार सीजन के बाद यूनाइटेड किंगडम के टी-20 दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। इस सीजन में वे 237 से ज्यादा के जबरदस्त स्ट्राइक-रेट से 776 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे।

पटना में अपनी एकेडमी में आठ साल की उम्र से सूर्यवंशी को ट्रेनिंग देने वाले ओझा ने अपने शिष्य की कड़ी मेहनत और उनके माता-पिता संजीव और आरती के त्याग के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे माता-पिता अब 5 साल तक के बच्चों को एकेडमी में ला रहे हैं ताकि वे अपने बच्चों को अगला वैभव बना सकें। लेकिन ओझा ने कहा कि कहना आसान है, करना मुश्किल। तो जब सूर्यवंशी ने टेनिस बॉल से हार्डबॉल खेलना शुरू किया, तो 10 साल की उम्र से वे औसतन कितनी गेंदों का सामना करते थे? ओझा का जवाब सुनकर हर कोई हैरान रह जाएगा।

ओझा ने मीडिया को एक खास इंटरव्यू में बताया, देखिए, हम गेंदों की गिनती नहीं करते कि उन्होंने कितनी गेंदें खेलीं, लेकिन मैं आपको कम से कम एक अंदाजा दे सकता हूं कि वे 600 से ज्यादा गेंदें खेलते थे। फिर उन्होंने बताया कि दिन भर की ट्रेनिंग के दौरान वे 100 ओवर को कैसे बांटते थे। उन्होंने बताया, मैं आपको बताता हूं कैसे। लगभग 200-300 गेंदें मैं खुद थ्रोडाउन के जरिए देता था। और जब मैं थक जाता था, तो दूसरे सपोर्ट स्टाफ मेरी मदद करते थे। और जब वे थक जाते थे, तो हमारी एकेडमी के बॉलर उनकी मदद करते थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3918

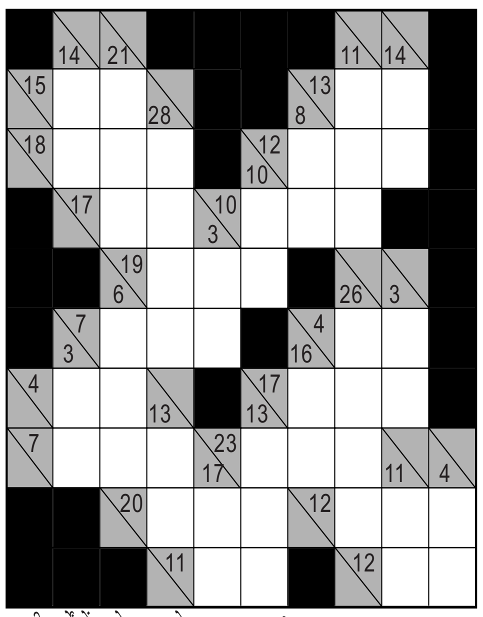

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

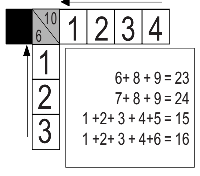

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3917 का हल

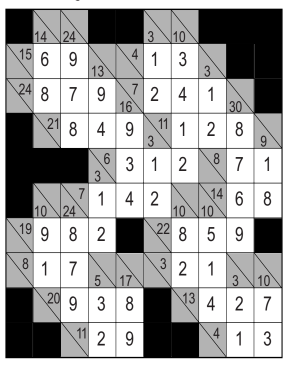

हंसी के फूव्वारें

ज्यादातर फिल्में शादी होने का दृश्य दिखाकर ही क्यों खत्म हो जाती हैं ?

ताकि शादी के बाद के दुखद दृश्य न देखने पड़ें.

नर्स, मैं तुमसे बेहद प्यार करता हूँ, मैं अब अच्छा नहीं होना चाहता.

नर्स बोली-तुम अब अच्छे हो भी नहीं सकते क्योंकि डॉक्टर भी मुझसे प्रेम करता है और उसने मुझे तुमसे प्यार करते हुए देख लिया है.

□ □ □

अविवाहिता-क्या तुम अपनी किसी सबसे बड़ी बेवकूफी का प्रमाण दे सकते हो?

अविवाहित-तुमने प्यार कर लिया, यह क्या छोटा प्रमाण है?

□ □ □

सुनीता-पता नहीं इस बार साड़ियों के कौन-कौन से नये डिजाइन निकलेंगे ?

मोहन-वही दो ! एक जो तुम्हें पसन्द नहीं आयेगा. दूसरा वह जिसे खरीदने के लिए मेरे पास रुपये नहीं होंगे.

□ □ □

एक पति ने अपनी घरवाली से पूछा-युधिष्ठिर भी जुआ खेले थे, फिर तू मुझे क्यों रोकती है ?

घरवाली ने कहा -नहीं रोकूंगी, लेकिन याद रखना कि द्रौपदी के भी पांच पति थे.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3918

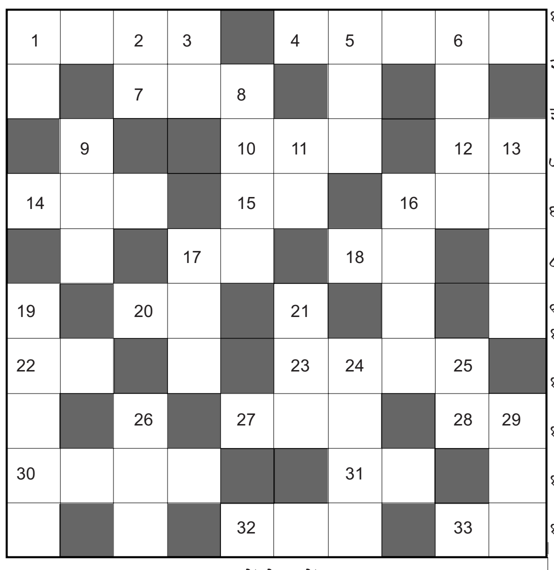

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3917

सूडोकु -3918

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3917 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 3918

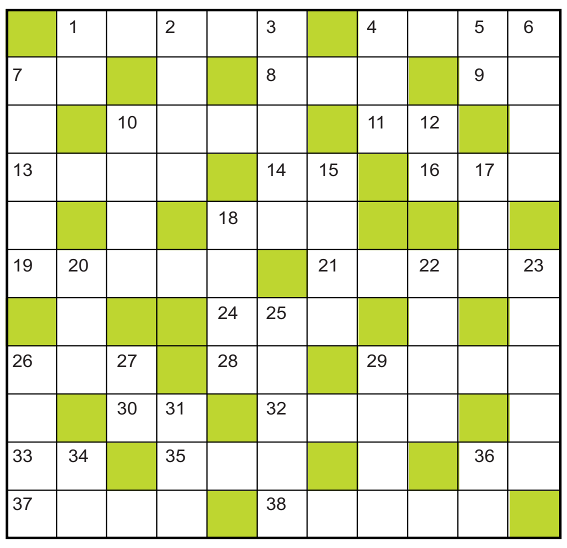

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -3917 का हल

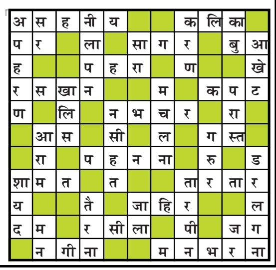

रेसिपी

वेज बेसन चीला

सामग्री

■ बेसन- 2 कप ■ लौकी- 1 कप (कद्दूकस की हुई) ■ शिमला मिर्च- 2 टेबलस्पून (बारीक कटी) ■ सूजी- आधा कप ■ लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून ■ हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी) ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ हरा धनिया- 1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- सेंकने के लिए

विधि

मिक्सिंग बाउल में बेसन, सूजी और पानी को डालकर बैटर बना लें। ध्यान रखें कि पानी थोड़ा-थोड़ा करके डालें जिससे बैटर ज्यादा पतला न हो और न ही गाढ़ा। फिर इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, हरी मिर्च, प्याज, शिमला मिर्च, लौकी और हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब मीडियम आंच पर एक तवा गरम करें और गरम होते ही इसमें थोड़ा सा तेल डालें और तवे के चारों तरफ फैला लें। तेल जैसी ही गरम हो जाए, तवे पर बैटर को राउंड शेप में बाहर से अंदर की ओर डालें। एक साइड से सिकने के बाद इसके चारों तरफ थोड़ा सा तेल डालें। फिर पलटकर दूसरे साइड से हल्का ब्राउन होने तक सेंक लें। इसे एल्यूमीनियम फ्वॉयल में रैप करके सॉस के साथ टिफिन में रखें।

ओट्स एंड वॉलनट बार्स

सामग्री

■ ओट्स- 1/4 कप (क्विक कुकिंग रोल्ड) ■ अखरोट- 1/4 कप (बारीक कटे) ■ कॉर्नफ्लैक्स- 5 टेबलस्पून (क्रश किए) ■ आटा- 3/4 कप ■ बेकिंग पाउडर- 1/4 टीस्पून ■ बेकिंग सोडा- 1/2 टीस्पून ■ बटर- 1/4 कप ■ ब्राउन शुगर- 1/4 कप ■ कंडेंस्ड मिलक- 1/4 कप ■ वनीला एसेंस- 1/2 टीस्पून ■ चॉकलेट जेम्स- 1/4 कप ■ नमक- एक चुटकी ■ मेल्ट बटर- 2 टीस्पून

विधि

आटा, बेकिंग पाउडर और सोडा को मिक्स कर लें। 1/4 कप बटर और ब्राउन शुगर को एक बाउल में अच्छे से फेंट लें। ओवन को 180 डिग्री पर प्री-हीट कर लें। ब्राउन शुगर में कॉर्नफ्लैक्स, ओट्स, अखरोट, कंडेस्ड मिल्क, वनीला एसेंस, चॉकलेट जेम्स डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें आटे का मिक्सचर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। नीचे से अलग होने वाले केक टिन को थोड़ा सा बटर लगाकर चिकना कर लें और बार्स के मिक्सचर को इसमें डालकर चारों तरफ से अच्छी तरह से फैला दें। प्री-हीट ओवन में 180 डिग्री पर 30 मिनट के लिए बेक कर लें। फिर इसे मनचाहे शेप के बार्स में काट लें और पूरी तरह से ठंडा कर लें और लंच बॉक्स में रखकर बच्चों को दें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

टीवी के बाद टाइपकास्टिंग से बाहर निकलने पर बोलीं हेली शाह

टेलीविजन से दूसरे माध्यमों की ओर कदम बढ़ाने वाले कलाकारों के लिए पहले से बनी धारणाओं को तोड़ना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती होती है। हाल ही में हेली शाह ने टीवी के बाद टाइपकास्टिंग का सामना करने और किस तरह वह अब लोकप्रियता से ज्यादा सार्थक काम पर ध्यान दे रही हैं, इस बारे में खुलकर बात की। टेलीविजन के जरिए मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने वाली हेली मानती हैं कि नए फॉर्मेट्स में काम करने के बाद भी 'टीवी एक्ट्रेस' का टैग कई कलाकारों का पीछा नहीं छोड़ता, लेकिन एक सच यह भी है कि सही मौके और लगातार अच्छे प्रदर्शन से, धीरे-धीरे आप लोगों की सोच बदल सकते हैं। अपने सफर के बारे में बात करते हुए हेली कहती हैं, 'मैं कई सालों तक टेलीविजन का हिस्सा रही हूं और इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। यह मेरा कम्फर्ट ज़ोन रहा है। लेकिन मैं नए अवसरों को भी तलाशना चाहती हूं, क्योंकि अक्सर मुझे सिर्फ एक टीवी एक्ट्रेस के रूप में देखा गया है। 'गुल्लक' जैसी शानदार कास्ट के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं हमेशा से टीवीएफ के साथ काम करना चाहती थी और 'गुल्लक' के जरिए मेरा ओटीटी डेब्यू होना इसे और भी खास बनाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शो की सादगी और वास्तविकता आज भी बरकरार है, और दर्शक हर सीजन से उसी तरह जुड़ाव महसूस करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'फिलहाल मेरा फोकस सिर्फ अच्छा काम करने पर है। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां बिना किसी वजह के सिर्फ दिखने के लिए मैं इवेंट्स में जाऊं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरे काम की वजह से जानें और पसंद करें।' गौरतलब है कि 'गुल्लक' हेली शाह के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो रहा है। वह इसे अपने रचनात्मक दायरे को बढ़ाने और एक कलाकार के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने की दिशा में अहम कदम मानती हैं। दर्शकों का लगातार मिल रहा प्यार इस बात का संकेत है कि इंडस्ट्री में अब कलाकारों की पहचान सिर्फ टैग्स से नहीं, बल्कि उनके काम और प्रतिभा से तय होने लगी है।

दर्शकों ने मेरे किरदार को दिल से स्वीकार किया

टीवी अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने लोकप्रिय सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाई। आज लाखों लोग उन्हें जानते हैं, लेकिन इस पहचान तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। हाल ही में शुभांगी अत्रे ने करियर, लोकप्रियता और दर्शकों के साथ बने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि सफलता पाने के लिए उन्होंने लगातार मेहनत की और हमेशा अपने काम को पूरी ईमानदारी से किया। शुभांगी अत्रे ने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार को पूरी लगन और सच्चाई के साथ निभाए। जब कोई कलाकार अपने काम में सौ फीसदी मेहनत लगाता है, तो दर्शक उससे जुड़ने लगते हैं। मेरे साथ भी यही हुआ। शुरुआत में लोगों ने मुझे मेरे असली नाम से नहीं, बल्कि मेरे किरदार के नाम से पहचानना शुरू किया। जहां भी मैं जाती थी, लोग मुझे अंगूरी भाभी कहकर बुलाते थे। किसी भी कलाकार के लिए यह बहुत बड़ी बात होती है, क्योंकि इसका मतलब है कि दर्शकों ने आपके काम को दिल से स्वीकार किया है।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''समय के साथ दर्शकों का जुड़ाव और गहरा होने लगता है। लोग सिर्फ पर्दे पर दिखने वाले किरदार को नहीं, बल्कि उस किरदार को निभाने वाले कलाकार को भी जानना चाहते हैं। ऐसे में लोग कलाकार की निजी जिंदगी, उसकी सोच और उसके व्यक्तित्व के बारे में जानने की कोशिश करते हैं। आज के दौर में सोशल मीडिया इस काम में बड़ी भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के जरिए लोग कलाकारों के असली जीवन की झलक देख पाते हैं और उनसे एक अलग रिश्ता बना लेते हैं।''

उन्होंने कहा, ''जब लोग आपके किरदार के साथ-साथ आपके असली नाम को भी पहचानने लगते हैं और आपके अभिनय की तारीफ करते हैं, तब एक अलग तरह की खुशी महसूस होती है। उस समय लगता है कि आपकी मेहनत रंग लाई है और आपने अपने काम के जरिए लोगों के दिलों में जगह बना ली है। यही वह पल होता है जब एक कलाकार को अपनी सफलता का असली एहसास होता है।'' शुभांगी अत्रे ने आगे कहा, ''जब लोग आपको इतना प्यार और सम्मान देते हैं, तो आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि आप उनके उस प्यार की कद्र करें। दर्शकों का स्नेह ही किसी कलाकार को आगे बढ़ाता है और उसे सफल बनाता है। इसलिए कलाकार को हमेशा अपने प्रशंसकों के प्रति सम्मान और आभार का भाव रखना चाहिए।''

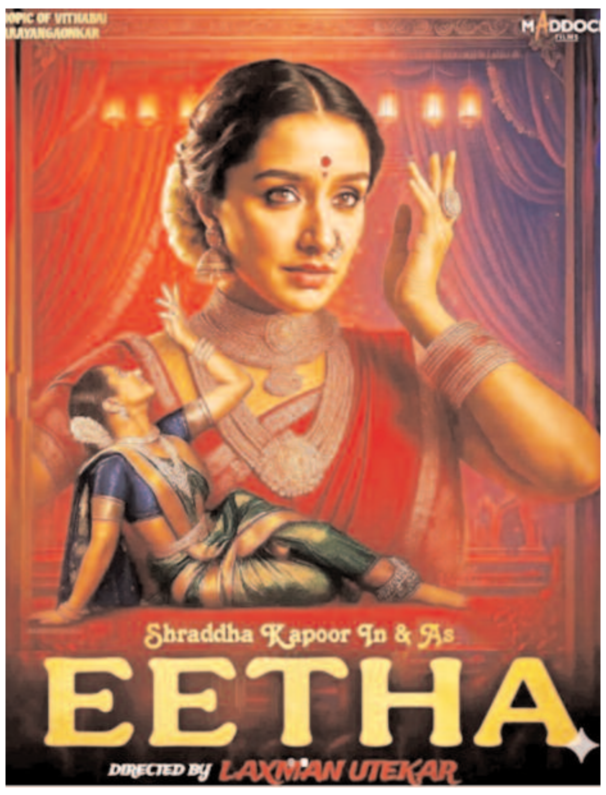

लावणी कलाकार विथाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है श्रद्धा कपूर की 'ईथा'

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सुपरहिट फिल्म 'स्त्री 2' के बाद, फैंस श्रद्धा की अगली फिल्म 'ईथा' का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म की रिलीज का एलान कर दिया है। श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' इसी साल 28 अगस्त को 2026 को रक्षाबंधन के त्योहार पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल 2025 में फिल्म 'छावा' बनाने के बाद, निर्माता दिनेश विजन और निर्देशक लक्ष्मण उतेकर एक बार फिर इस फिल्म के लिए साथ आए हैं।

इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुडा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'ईथा' की कहानी महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विथाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित एक बायोपिक है। इसमें 1940 से लेकर 1990 के दशक तक के उनके सफर, उनकी सफलता और उनके जीवन के संघर्षों को दिखाया जाएगा। श्रद्धा कपूर की पिछली फिल्म 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने भी एक कैमियो किया था।

बिग बॉस तेलुगु-10 को होस्ट करने के लिए तैयार हैं नागार्जुन

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन एक बार फिर से 'बिग बॉस तेलुगु' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बार नागार्जुन 'बिग बॉस तेलुगु' के नए सीजन 10 को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस शो का फैंस को काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। इस नए सीजन को एक इंडिया कंपनी बना रही है। मेकर्स ने वादा किया है कि इस बार का गेम पहले से कहीं ज्यादा रोमांचक और अलग होने वाला है। शो के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नागार्जुन का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अपने पसंदीदा हीरो नागार्जुन को देखकर फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही शो को लेकर उत्साहित भी हैं। इस वीडियो के साथ मेकर्स ने लिखा, 'पेश है 'बिग बॉस तेलुगु 10'। इस बार आप बिग बॉस का 'दशावतारम' देखेंगे। खेल बदल रहा है, नियम बदल रहे हैं और इस बार इतिहास रचा जाएगा।' इस मशहूर शो को 'एंडेमोल शाइन इंडिया' कंपनी बना रही है, जिसके सीईओ दीपक धर हैं। यह कंपनी मनोरंजन की दुनिया में बहुत बड़ी है और इससे पहले भी कई सुपरहिट वेब सीरीज और शो बना चुकी है। इस लिस्ट में 'द नाइट मैनेजर', 'द ट्रायल', 'कॉल माई एजेंट' और भी कई सीरीज और फिल्में शामिल हैं।

सिंगापुर के बिजनेसमैन संग रिश्ते में हैं जेनिफर विंगेट

ऐसा लगता है कि एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट अपनी पर्सनल लाइफ के एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मशहूर टीवी स्टार जेनिफर ने सिंगापुर के बिजनेसमैन इश्माएल विलियम से सगाई कर ली है। बताया जाता है कि अब यह कपल अपनी शादी की प्लानिंग कर रहा है।

रिश्ते में हैं जेनिफर

41 साल की एक्ट्रेस के करीबी सूत्रों ने बताया है कि जेनिफर और इश्माएल कुछ समय से रिश्ते में हैं और अब रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेनिफर और विलियम साथ में बहुत खुश हैं। विलियम ने छुट्टियों के दौरान जेनिफर को प्रपोज किया और उन्होंने हां कह दिया। अब वे अपनी शादी की प्लानिंग कर रहे हैं। संग

कब हो सकती है शादी?

बताया जाता है कि कपल क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी करने पर विचार कर रहा है। अभी शादी की तारीख और जगह फाइनल नहीं हुई है। वह सितंबर-अक्टूबर में शादी करने पर विचार कर रहे हैं। अगर इन महीनों में शादी ना हुई, तो वह दिसंबर-जनवरी में शादी कर सकते हैं। हालांकि जेनिफर ने इन खबरों पर पब्लिकली कोई कमेंट नहीं किया है लेकिन उनकी कथित सगाई और शादी की प्लानिंग की चर्चा ने फैंस को काफी एक्साइटेड कर दिया है।

समय के साथ सिनेमा में बदलाव जरूरी

फिल्मों की दुनिया लगातार बदल रही है। दर्शक ऐसी कहानियां देखना चाहता है, जिनसे वह खुद को जोड़ सके और जिनमें उसे अपने जीवन की झलक दिखाई दे। इसी विषय पर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि फिल्मों को समाज के साथ-साथ खुद को भी बदलना होगा। अगर सिनेमा समय की मांग को नहीं समझेगा, तो दर्शकों से उसका रिश्ता कमजोर हो सकता है। इंटरव्यू के दौरान कंगना रनौत से पूछा गया कि क्या बड़े कलाकारों की भारी फीस फिल्मों को नुकसान पहुंचाने का कारण बनती है। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''जब कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, तब उसके हर खर्च पर सवाल उठना शुरू हो जाता है। लोग यह देखने लगते हैं कि पैसा कहां और कितना खर्च किया गया। ऐसे समय में कलाकारों की फीस से लेकर फिल्म निर्माण के हर हिस्से पर चर्चा होती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर किसी घर की आमदनी कम हो जाए, तो परिवार अपने खर्चों को भी कम करने की कोशिश करता है। लोग सोच-समझकर पैसा खर्च करते हैं और गैर जरूरी खर्चों पर रोक लगाते हैं। ठीक इसी तरह जब फिल्मों की कमाई कम होती है, तो इंडस्ट्री भी अपने खर्चों का हिसाब-किताब देखने लगती है। ऐसे में कलाकारों की फीस पर सवाल उठना स्वाभाविक बात है।''

कंगना ने आगे कहा, ''यह सिर्फ फीस का मामला नहीं है। सबसे जरूरी बात यह है कि फिल्में समय के साथ बदलें। समाज तेजी से बदल रहा है, लोगों की सोच बदल रही है और मनोरंजन देखने का तरीका भी बदल चुका है। इसलिए फिल्म इंडस्ट्री को भी नई पीढ़ी और नए दर्शकों की पसंद को समझना होगा। अगर फिल्में खुद को लगातार बेहतर और प्रासंगिक बनाती रहेंगी, तभी वे दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर पाएंगी।'' कंगना की को-स्टार स्मिता तांबे ने भी इसी विषय पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''हर इंसान किसी कहानी में अपने जीवन का कोई न कोई हिस्सा देखना चाहता है। दर्शक तब ज्यादा प्रभावित होते हैं, जब उन्हें लगता है कि फिल्म की कहानी या किरदार उनके जैसे लोगों की बात कर रहे हैं। यही जुड़ाव किसी फिल्म को खास बनाता है।'' स्मिता ने कहा, ''हमारी आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की कहानी आम लोगों से जुड़ी हुई है। इसमें ऐसी महिलाओं, मांओं, नर्सों और कामकाजी लोगों की भावनाओं और संघर्षों को दिखाया गया है, जिनसे देश का एक बड़ा वर्ग खुद को जोड़ सकता है। जब दर्शक खुद को किसी कहानी में देखेंगे, तभी वे उस फिल्म से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे।''

संक्षिप्त समाचार

टेक्सास में भारत विरोधी बयानबाजी पर भड़के भारतवंशी सांसद, कहा–अप्रवासी भारतीयों ने अमेरिका को बनाया है

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन से भारतवंशी सांसद श्री थानेदार ने टेक्सास के फ्रिस्को शहर में सामने आई भारत विरोधी बयानबाजी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि प्रवासियों ने अमेरिका को और अधिक मजबूत बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने टेक्सास के फ्रिस्को शहर पर 'भारतीयों के कब्जे' जैसी टिप्पणियां कीं और आव्रजन तथा एच-1बी वीजा से जुड़ी बहस के दौरान भारतीय-अमेरिकी समुदाय को निशाना बनाया। इसे भारतीयों के खिलाफ नफरत भड़काने के तौर पर देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर भारतीय अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा, 'यह नफरत से भरा बेहद घृणित कृत्य है। हमारे देश में नस्लवाद के लिए कोई जगह नहीं है।' हाल ही में फ्रिस्को में एक व्यक्ति द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। फ्रिस्को और टेक्सास के अन्य हिस्सों में भारत विरोधी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए थानेदार ने कहा, 'मैं अमेरिकी सपने की तलाश में अमेरिका आया था। मुझे यहां शिक्षा पाने, कारोबार खड़ा करने, हजारों लोगों को रोजगार देने और अब कांग्रेस में अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला।' उन्होंने कहा कि प्रवासी अमेरिका की ताकत हैं और भारतीय-अमेरिकियों ने अपनी प्रतिभा से हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। थानेदार ने कहा, 'भारतीय-अमेरिकियों और उनकी असाधारण प्रतिभा का अमेरिकी कहानी में एक खास स्थान है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे भारतीय-अमेरिकी होने पर गर्व है और मैं नफरत तथा नस्लवाद के खिलाफ हमेशा खड़ा रहूंगा।' गौरतलब है कि फ्रिस्को की करीब 2.5 लाख आबादी में एक-तिहाई से अधिक लोग एशियाई मूल के हैं। इसी वजह से उन्हें शहर पर कब्जा करने जैसे आरोपों का सामना करना पड़ रहा है।

'बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने की दो की हत्या, छह लापता'; मानवाधिकार संगठनों ने किया खुलासा

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान में आम लोगों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार जारी हैं। मानवाधिकार संगठनों ने शुक्रवार को दावा किया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दो और नागरिकों की गैर-न्यायिक हत्या कर दी है। जबकि छह अन्य लोगों को जबरन गायब कर दिया गया है। मानवाधिकार संगठन बलोच यकजहेती कमेटी (बीवाईसी) के अनुसार, 19 वर्षीय किसान शबीर अहमद का गोलियों से छलनी शव 30 जून को वाशुक जिले के बसीमा इलाके में मिला। वह एक महीने से अधिक समय से लापता था। बीवाईसी ने बताया कि शबीर को 27 अप्रैल को कथित तौर पर जबरन उठाया गया था। उसके परिवार को उसकी स्थिति या ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। संगठन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने और बाद में शव मिलने की लगातार सामने आ रही घटनाओं का हिस्सा है। एक अन्य मामले में, पुलिस कांस्टेबल शाह हुसैन (26 वर्षीय) की पिछले महीने पंजगुर जिले के तस्प इलाके में कथित तौर पर हत्या कर दी गई। बीवाईसी के अनुसार, शाह को 29 अक्तूबर 2025 को जबरन गायब किया गया था। बाद में तीन नवंबर को रिहा किया गया था। संगठन का आरोप है कि इस दौरान उन्हें अवैध हिरासत में रखकर प्रताड़ित किया गया।

नेपाल के बीपी हाईवे पर 300 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 8 यात्रियों की दर्दनाक मौत, 16 लोग घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में एक बार फिर भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों को गहरे शोक में डाल दिया है। नेपाल के सेंट्रल कावरेपालनचोक जिले के बुच्चाकोट इलाके में बीपी हाईवे के पास सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। बीपी हाईवे के पास एक पैसेंजर बस सड़क किनारे खाई में गिर गई। जिला प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। कवरेपालनचोक के जिला प्रमुख गोपाल कुमार अधिकारी ने बताया कि बस में सवार कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 घायल यात्रियों का जिले के धुलीखेल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा, 'घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।' घटना के बाद, पुलिसवालों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर घायलों को बचाया और हॉस्पिटल पहुंचाया। यह दुर्घटना बीपी हाईवे के पास उस समय हुई जब बस बनेपा से सुंगुरे की ओर जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर नमोबुद्धा म्युनिसिपैलिटी के बुच्चाकोट में एक खाई में गिर गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 यात्री घायल हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि बस हाईवे से करीब 300 मीटर नीचे गिर गई। दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चला है। हाल के सालों में नेपाल में सड़क हादसों में बढ़ोतरी देखी गई है, साथ ही सड़कों पर गाड़ियों की संख्या भी बढ़ी है। एक दशक पहले, नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क हादसों की रिपोर्ट दी थी।

शहबाज सरकार ने की रक्षा बजट में 18% की भारी बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगहाली और भारी विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे पाकिस्तान ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपना वार्षिक बजट पेश कर दिया है। शुक्रवार को नेशनल असेंबली में पेश किए गए इस बजट का कुल परिव्यय 18.77 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए (लगभग 67.49 अरब डॉलर) रखा गया है। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक तरफ जहां मुल्क दिवालिया होने की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ सरकार ने रक्षा खर्च में जबरदस्त इजाफा किया है।

रक्षा बजट में 18 फीसदी का इजाफा : पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने बजट पेश करते हुए घोषणा की कि जुलाई से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष में रक्षा के लिए 3 ट्रिलियन (तीन हजार अरब) रुपए आवंटित किए जाएंगे। यह पिछले साल के 2.55 ट्रिलियन रुपए के रक्षा बजट की तुलना में 18 फीसदी अधिक है।

इसके ठीक विपरीत, शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिक्षा पर सरकारी खर्च 23% घटकर महज 962 अरब रुपए रह गया है। अब पाकिस्तान की जीडीपी में शिक्षा का हिस्सा घटकर सिर्फ 0.8% रह गया है, जो किसी भी देश के भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है।

विकास कार्यों पर चली कैंची : बजट के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि सरकार ने सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए लोक कल्याणकारी और विकास कार्यों के बजट को काफी सीमित कर दिया है। संघीय विकास खर्च के लिए केवल 1 ट्रिलियन रुपए आवंटित किए गए हैं, जो रक्षा बजट का महज एक तिहाई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह फैसला दिखाता है कि इस्लामाबाद आर्थिक दबावों के बावजूद अपनी सैन्य तैयारियों को प्राथमिकता दे रहा है।

सरकारी कर्मचारियों को राहत : बजट में सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में 7% की बढ़ोतरी की गई है और न्यूनतम मजदूरी को 10% बढ़ाने का प्रस्ताव है। हालांकि, एक चौंकाने वाले फैसले में सरकार ने अमीर वर्ग पर लगने वाले 9% सरचार्ज को हटा दिया है, जिसकी आलोचना हो रही है। सरकार ने अगले वित्त वर्ष के लिए 4% जीडीपी ग्रोथ का लक्ष्य रखा है।

आईएमएफ की शर्तें और जनता पर टैक्स की मार : पाकिस्तान का यह बजट पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 7 अरब डॉलर के प्रोग्राम को पटरी पर बनाए रखने की कोशिशों पर केंद्रित है। सरकार ने 15.26 ट्रिलियन रुपए का भारी-भरकम टैक्स रेवेन्यू लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल से 8.2% अधिक है। राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 3.6% तक सीमित रखने का लक्ष्य है। हालांकि, इन लक्ष्यों को हासिल करने का सीधा बोझ सैलरी पाने वाले मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा, क्योंकि टैक्स कटौती की अब कोई गुंजाइश नहीं बची है।

कर्ज सबसे बड़ी चुनौती, हर साल ब्याज की किस्तें चुकाने में 8 लाख करोड़ खर्च होंगे : पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 18 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने संसद में यह बजट प्रस्ताव रखा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तों को पूरा करने और देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए इस बजट में कड़े आर्थिक फैसले लिए गए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, पाकिस्तान की सबसे बड़ी चुनौती अब भी कर्ज है। कुल 18.8 लाख करोड़ के बजट में से 8.05 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए सिर्फ पुराने कर्ज और उसके ब्याज की किस्तें चुकाने में खर्च हो जाएंगे। बजट में रक्षा खर्च को खास प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने सेना और रक्षा से जुड़े खर्चों के लिए करीब 3 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए आवंटित किए हैं। इसके अलावा रक्षा सेवाओं के प्रशासनिक खर्च के लिए 1.7 लाख करोड़ रुपए अलग से रखे गए हैं। पिछले साल के मुकाबले रक्षा बजट में 17.5 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। नए वित्त वर्ष में 4% (जीडीपी) ग्रोथ का लक्ष्य रखा है, जबकि औसत महंगाई दर 8.2% रहने का अनुमान जताया गया है। सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में 7% की बढ़ोतरी की गई है, साथ ही न्यूनतम मजदूरी में 10% की वृद्धि का प्रस्ताव है। अमीर वर्ग पर लगने वाले 9% सरचार्ज को हटा दिया गया है। पाकिस्तान में गरीबी लगातार बढ़ रही है, जबकि शिक्षा पर सरकारी खर्च में भारी गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 के अनुसार, देश की गरीबी दर 2018-19 के 21.9% से बढ़कर 2024-25 में 28.9% हो गई है।

अमेरिकी संसद में भारतीय मूल के टेक दिग्गज सोमसेगर को दिया गया सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के प्रौद्योगिकी कार्यकारी और उद्यमी शिवरामकृष्णन 'सोमा' सोमसेगर को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। शिवरामकृष्णन माइक्रोसॉफ्ट में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं और बाद में वे अमेरिका के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट में एक प्रमुख वेंचर कैपिटलिस्ट बने थे। वाशिंगटन की कांग्रेस सदस्य सुजैन डेलबेने ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि सोमासेगर हमारे समुदाय के एक अद्भुत तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी, नेता और मित्र थे। डेलबेने ने कहा कि सोमासेगर की असाधारण प्रबंधन क्षमता, समर्पण और मेहनत ने उन्हें माइक्रोसॉफ्ट में लगातार आगे बढ़ाया और वे 2015 तक सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के पद पर रहे। उन्होंने कहा, 'माइक्रोसॉफ्ट में साथ काम करने के दौरान उन्हें जानने का मौका मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी। उनकी मुस्कान और मिलनसार स्वभाव जिस भी कमरे में वे जाते थे, वहां ऊर्जा भर देते थे।' डेलबेने ने कहा कि उन्होंने अनगिनत स्टार्टअप्स का गाइड किया और हमारे क्षेत्र के इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कांग्रेस सदस्य ने उन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रबल समर्थक भी बताया, जो ऐसे संगठनों का समर्थन करते थे, जो मौके और बराबरी को बढ़ावा देने के लिए काम करते थे। अपने संबोधन का बड़ा हिस्सा डेलबेने ने सोमासेगर के परिवार को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी अकिला और उनकी दो बेटियां उनकी दुनिया का केंद्र थीं। उन्होंने कहा, 'वे अक्सर अपने परिवार के बारे में अत्यंत सम्मान, कृतज्ञता और गर्व के साथ बात करते थे। उनकी हर उपलब्धि के पीछे अपने परिवार के प्रति उनका प्रेम था। जो भी उन्हें जानता था, वह यह भी जानता था कि उनका परिवार उन्हें प्रेरित करता था, उनका साथ देता था और उनके व्यक्तित्व को आकार देता था।' डेलबेने ने अपने सहयोगी सांसदों से सोमासेगर की विरासत का सम्मान करने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके परिवार, मित्र और सहकर्मी आने वाले सालों तक उनकी दयालुता और बुद्धिमत्ता को याद रखेंगे। दक्षिण भारत में जन्मे और पले-बढ़े सोमसेगर 1989 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ने से पहले लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने के लिए अमेरिका चले गए थे। उन्होंने कंपनी के इतिहास के सबसे अहम प्रोडक्ट्स में से एक, विंडोज एनटी के विकास में अहम भूमिका निभाई। माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, सोमसेगर मैड्रोन वेंचर ग्रुप में मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर शामिल हुए।

भारत के बाद अब चीन दौरे पर जाएंगे नेपाल के विदेश मंत्री, वांग यी से करेंगे मुलाकात

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल इस रविवार को चीन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने इस दौरे की घोषणा की है। मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, खनाल 14 से 17 जून 2026 तक चीन के दौरे पर रहेंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने उन्हें इस यात्रा के लिए न्योता दिया है। बीजिंग में शिशिर खनाल और वांग यी के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। इस दौरान दोनों नेता नेपाल और चीन के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। वे आपसी हित के मुद्दों और सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर बात करेंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान खनाल चीन के कुछ अन्य उच्च स्तरीय नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। शिशिर खनाल ने मार्च के अंत में विदेश मंत्री का पद संभाला था। पद संभालने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। वे पिछले हफ्ते पांच जून को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर दिल्ली पहुंचे थे। भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई थी। भारत में हुई बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों ने आपसी संबंधों की समीक्षा की। इसमें विकास कार्य, कनेक्टिविटी, व्यापार, ऊर्जा और लोगों के बीच आपसी रिश्तों जैसे विषय शामिल थे। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष जताया। दोनों देश अपने रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सहमत हुए। इस दौरे पर भारत और नेपाल के बीच आपराधिक मामलों में आपसी कानूनी सहायता समझौते (ख्र) को लागू करने की प्रक्रिया पूरी हुई। यह समझौता सीमा पार होने वाले अपराधों की जांच और कानूनी कार्यवाही में मदद करेगा। इसके अलावा, भारत ने नेपाल को 72 स्वास्थ्य केंद्र और 12 सांस्कृतिक विरासत परियोजनाएं सौंपीं। ये सभी निर्माण कार्य 2015 के भूकंप के बाद भारत की मदद से पूरे किए गए हैं। डिजिटल क्षेत्र में भी एक बड़ा कदम उठाया गया। भारत के यूपीआई और नेपाल के एनपीआई को आपस में जोड़ा गया। इससे दोनों देशों के बीच पैसा भेजना आसान हो जाएगा।

ट्रंप का दावा: अमेरिकी हमले में ट्रेन डी अरागुआ गैंग का सरगना ढेर, यूएस में हिंसा और नशे के लिए जिम्मेदार था

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने एक सैन्य अभियान में कुख्यात आपराधिक संगठन ट्रेन डी आरगुआ के सरगना हेक्टर रश्टेनफोर्ड गुएरो फ्लोरेस को ढेर कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह कार्रवाई वेनेजुएला के सहयोग से की गई। अमेरिका पहले ही ट्रेन डी अरागुआ को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है।

50 लाख डॉलर का था इनाम : अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सप्ताह की शुरुआत में वेनेजुएला में गैंग के एक ठिकाने पर यह सैन्य कार्रवाई की गई थी। गुरेरो फ्लोरेस पर न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में आपराधिक साजिश रचने, आतंकवादियों को समर्थन देने और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने वालों के लिए 50 लाख डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ट्रेन डी अरागुआ के आतंकवादियों के लिए अब वेनेजुएला या दुनिया के किसी भी हिस्से में सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है। मेरे नेतृत्व में हम इन खूंखार हत्यारों और ड्रग माफियाओं को कहीं भी खोज निकालेंगे और उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाएंगे।' हालांकि, इस अभियान को लेकर वेनेजुएला की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

गैंग पर पहले भी कार्रवाई : ट्रंप प्रशासन ने हाल के महीनों में इस गैंग के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं। प्रशासन ने नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप में इस गैंग की छोटी नौकाओं को निशाना बनाकर कई सैन्य हमले किए हैं। सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे अभियानों में 200 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। इस अभियान के लिए अमेरिका की खूब आलोचना भी हुई। ट्रंप और उनके प्रशासन का आरोप रहा है कि अमेरिकी शहरों में बढ़ती हिंसा और अवैध ड्रग कारोबार के पीछे ट्रेन डी अरागुआ की बड़ी भूमिका है।

वेनेजुएला की जेल से शुरू हुआ था गैंग : ट्रेन डी अरागुआ की शुरुआत एक दशक से अधिक पहले वेनेजुएला के अरागुआ राज्य की एक कुख्यात जेल से हुई थी। देश में आर्थिक संकट और प्रशासनिक विफलताओं के बीच गैंग ने जेल के भीतर अपना प्रभाव बढ़ाया और बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैल गया। गुरेरो फ्लोरेस ने जेल के भीतर एक समानांतर व्यवस्था खड़ी कर ली थी, जहां जबरन वसूली और हिंसा के जरिए कैदियों पर नियंत्रण रखा जाता था। समय के साथ जेल परिसर में चिड़ियाघर, बेसबॉल मैदान, कैसीनो और रेस्तरां जैसी सुविधाएं भी विकसित कर ली गई थीं, जबकि गुरेरो खुद एक आलीशान सुइट में रहता था। बता दें कि ईरान पर दो दिनों के हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने उधर से ध्यान हटाने का फैसला किया है। वह ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब होने का दावा कर रहे हैं।

ढाका में भगवान राम की विशाल प्रतिमा पर लगी रोक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बन रही भगवान राम की विशाल प्रतिमा के निर्माण पर प्रशासन ने रोक लगा दी है, जिससे विवाद छिड़ गया है। बता दें कि बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में स्थित श्रीश्री राधागोविंद और काली मंदिर परिसर में भगवान राम की प्रतिमा बनाई जा रही थी, जिसे प्रशासन रूकवा दिया। मामलें को लेकर लेखिका तस्लीमा नसरीन और हिन्दू संगठनों ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता का मुद्दा बताते हुए कड़ी निंदा की है। बताया जा रहा है कि यहां दुनिया की सबसे बड़ी भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा था। जिसे बांग्लादेश के अधिकारियों ने निलंबित करने का आदेश दे दिया है। यह प्रतिमा बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबारी उपजिला में स्थित श्री श्री राधा गोविंदा और काली मंदिर के परिसर में लगाई जा रही थी। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक मंदिर के सलाहकार श्याममल कुमार महंत ने गुरुवार शाम मंदिर सभागार में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी थी। बांग्लादेश सरकार के इस फैसले के बाद तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आरोप लगाया गया है कि भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण इस्लामी समूहों के दबाव में रोका गया है।

लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन ने भगवान राम मंदिर के निर्माण के निलंबन की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस देश में कई लाख मस्जिदें हैं और कई का निर्माण जारी है। वहां केवल हिंदू पूजा स्थल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? नसरीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में कई लाख मस्जिदें हैं और नई मस्जिदों को निर्माण हो भी रहा हैं। फिर भगवान राम की मूर्ति के निर्माण का इतना विरोध क्यों? अगर धार्मिक स्वतंत्रता सबके लिए है, तो यह हिन्दू अल्पसंख्यकों पर भी समान रूप से लागू होनी चाहिए, न कि केवल बहुसंख्यकों पर।

लेखिका तस्लीमा नसरीन ने आगे कहा कि पालाशबारी, गाइबांधा में निर्माणाधीन राम मंदिर के खिलाफ मिल रही धमकियां और नफरत भरी बयानबाजी बेहद चिंताजनक है। किसी भी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए किसी दूसरे समुदाय के पूजा स्थल को गिराने का अधिकार नहीं मिल सकता क्योंकि उन्हें वह पसंद नहीं है। नसरीन ने सवाल उठाया 'दुनिया भर के कई मुस्लिम बहुल देशों में बड़े-बड़े हिंदू मंदिर हैं। लेकिन वहां मंदिरों का अस्तित्व उनके लिए खतरा नहीं माना जाता। तो फिर बांग्लादेश में एक मंदिर के निर्माण को लेकर इतना बवाल क्यों? बांग्लादेशी समाचार पत्र 'ब्लिट्ज' के संपादक ने भी जताई चिंता बता दें कि बांग्लादेशी समाचार पत्र 'ब्लिट्ज' के संपादक सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने भी भगवान राम के विशाल प्रतिमा के निर्माण के रुकने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश के गाइबांधा जिले में चल रहे सनातन परिसर के अधिकारियों ने स्थानीय जिहादी और इस्लामी समूहों के दबाव में आकर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण रोकने की घोषणा की है। भगवान राम की प्रतिमा के निर्माण पर रोक केवल एक निर्माण परियोजना तक सीमित नहीं रह गया है। अब यह मामला बांग्लादेश में धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यक अधिकारों और सामाजिक सौहार्द से जुड़े व्यापक सवालों का है। सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने इस मुद्दे को लेकर सभी समुदायों के अधिकारों की समान सुरक्षा की मांग की है।

अराघची बोले- अमेरिका के साथ समझौता बेहद करीब; ट्रंप ने ईरानी विदेश मंत्री की पोस्ट शेयर की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच कई महीनों से जारी तनाव और संघर्ष के बाद अब शांति की उम्मीदें मजबूत होती नजर आ रही हैं। दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रूथ सोशल पर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची की समझौते से जुड़ी पोस्ट को री-पोस्ट किया है।

अराघची ने दिया समझौते का संकेत : ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन कभी इतना करीब नहीं रहा।' उन्होंने कहा कि समझौते को अंतिम रूप दिए जाने तक मीडिया को इसकी शर्तों को लेकर अटकलें लगाने से बचना चाहिए। अराघची ने यह भी कहा कि उनकी सरकार पारदर्शिता और जिम्मेदारी की नीति का पालन करती है और उचित समय पर समझौते की सभी जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी। ट्रंप द्वारा इस पोस्ट को साझा किए जाने के बाद माना जा रहा है कि दोनों पक्ष किसी बड़े समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते पर हस्ताक्षर होते ही तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत या नकद सहायता मिलेगी। वेंस ने इन खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि केवल किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने या वार्ता में शामिल होने के बदले ईरान को कोई धनराशि नहीं दी जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से बनी चिंताओं का समाधान निकालना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी आर्थिक लाभ को ईरान द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने से जोड़ा गया है। वेंस ने कहा कि प्रस्तावित समझौते को इस तरह तैयार किया गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहे। यदि ईरान समझौते की शर्तों का पालन करता है, तभी उसे आर्थिक लाभ मिल सकते हैं। उनका मानना है कि यह समझौता पूरे क्षेत्र में स्थायी शांति और आर्थिक स्थिरता का रास्ता खोल सकता है। हाल के दिनों में अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच सैन्य तनाव ने पूरे पश्चिम एशिया को एक बार फिर बड़े युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया था। हालांकि अप्रैल से लागू संघर्षविराम के बाद बातचीत का दौर जारी रहा और अब समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दे रही हैं।

ट्रंप ने ईरान पर भारतीय जहाजों पर हमले करने का आरोप लगाया, तेहरान ने इसे 'निराधार' बताया

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाते हुए इस कथित कार्रवाई को ''पूरी तरह अस्वीकार्य'' बताया जबकि तेहरान ने इस आरोप को ''निराधार'' करार दिया।

ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हुए घातक हमलों के बाद अब अमेरिका और ईरान के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर सीधे तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया है और इसे 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया है। दूसरी तरफ, ईरान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उल्टा अमेरिका पर ही जहाजों पर हमला करने और भारतीय नाविकों की जान लेने का गंभीर आरोप मढ़ दिया है। इनमें से एक हमले में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में दावा किया, ''भारतीय जहाजों के होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलते समय उन पर कल रात किया गया (ईरान का) ड्रोन हमला बिल्कुल अस्वीकार्य है।'' इसी पोस्ट में ट्रंप ने ईरान पर उस शांति समझौते की शर्तें मीडिया को लीक करने का भी आरोप लगाया, जिनका वार्ता में चर्चा किए जा रहे मुद्दों से कोई संबंध नहीं है।

ईरान ने ट्रंप के आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया। भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''होर्मुज जलडमरूमध्य में एक भारतीय जहाज को लेकर ईरान पर लगाया गया अमेरिकी राष्ट्रपति का आरोप पूरी तरह निराधार है।'' दूतावास ने कहा, ''यह जनता का ध्यान इस क्रूर तथ्य से भटकाने की कोशिश है कि अमेरिका ने एक सप्ताह से भी कम समय में तीन भारतीय जहाजों पर हमला किया है और तीन निर्दोष

भारतीय नाविकों की जान ली है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'' ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत ने ओमान तट के निकट भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी हमलों के विरोध में नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब किया है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए इन हमलों को ''बेहद चिंताजनक'' बताया है और इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष सख्ती से उठाया है।

भारतीय नाविकों की मौत पर ईरान ने क्या कहा : ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भारतीय नाविकों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की जान जाना बेहद दुखद है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। बघाई ने अमेरिका की कार्रवाई को सशस्त्र लूट और राज्य प्रायोजित समुद्री डकैती करार दिया। उन्होंने भारतीय जनता और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। ईरान का कहना है कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान सभी देशों की जिम्मेदारी है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ईरान की क्या मांग है : ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका की कथित कार्रवाई की जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की है। बघाई ने कहा कि बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं वैश्विक शांति, समुद्री व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरा हैं। उनका कहना है कि यदि ऐसे मामलों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं से भी इस मुद्दे पर ध्यान देने की अपील की है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)